आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 68 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 सितंबर 2025 बुधवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
20 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मंत्री की कार से हिट एण्ड रन का केस, पीएम के मामूली घटना बताने पर भड़का था Gen-Z का गुस्सा

11 साल की बच्ची के साथ हुए हादसे ने लिखी ओली के तख्ता पलट की स्क्रिप्ट!

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी ने ओली सरकार की ईंट से ईंट बजाकर तख्तापलट कर दिया। हटाए गए प्रधानमंत्री केपी ओली को इस्तीफा देकर छिपना पड़ रहा है। अब नेपाल की कमान सेना के हाथ में है। सोशल मीडिया बैन करना ओली सरकार को महंगा पड़ा। सवाल है कि क्या सच में महज सोशल मीडिया बैन के कारण ही ओली की सरकार गई है? मीडिया रिपोर्ट्स में अब एक अहम घटना का जिक्र हो रहा है। इसके अनुसार 11 साल की एक बच्ची के साथ हुई एक दुर्घटना ने तख्तापलट की स्क्रिप्ट लिखी।

दरअसल, अगस्त महीने की शुरुआत में ही एक हादसा हुआ था। नेपाल के ललितपुर जिले के हरिसिद्धि में एक घटना हुई थी। एक मंत्री की सरकारी कार ने पैदल क्रॉसिंग पर खड़ी 11 साल की बच्ची उषा को टक्कर मार दी जिससे बच्ची घायल हो गई। मंत्री की गाड़ी ने बच्ची को उसी तरह छोड़ भागने की कोशिश की। मगर स्थानीय लोगों ने ड्राइवर को पकड़ लिया। उस हिट एंड रन में बच्ची को गंभीर चोटें आईं, मगर वह बच गई। इसके बाद मंत्री की कार के ड्राइवर को हिरासत में लिया गया लेकिन ड्राइवर को महज 24 घंटे के अंदर रिहा कर दिया गया। प्रधानमंत्री केपी ओली ने इसे मामूली घटना करार दिया। इसने जेनजी के गुस्से को और भड़का दिया। बच्ची के एक्सीडेंट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। पोखरा विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर योग राज लमिछाने ने कहा, कि अगर मंत्री की गाड़ी एक बच्ची को कुचलकर निकल जाए और प्रधानमंत्री इसे सामान्य बता दें, तो यह बाकी नागरिकों के लिए क्या संदेश है?

जेनजी को मिल गया मौका

वैसे भी नेपाल में बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर युवाओं में सरकार के खिलाफ गुस्सा पहले से था। यह हादसा पहले से सुलग रही असंतोष की चिंगारी साबित हुआ। युवाओं को तो बस मौके का इंतजार था। ताकि सरकार के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन हो। यह मौका खुद केपी शर्मा ओली ने तब दिया, जब उन्होंने नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगा दिया।

पूर्व राजा ज्ञानेंद्र सिंह की तरफ नजर

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र सिंह ने एक बयान जारी कर मौतों पर दुख जताया और शांति बनाएं रखने का आग्रह किया। हालांकि ज्ञानेंद्र ने सीधे तौर पर राजशाही की बहाली की मांग नहीं की है, लेकिन इसी साल मार्च में उनके समर्थकों ने हिन्दू धर्म को राज्य धर्म के रूप में मान्यता को लेकर रैली निकाली थी जिसमें 'राजा वापस आओ देश बचाओ' नारे लगाए थे। फिलहाल वे निजी आवास में सामान्य व्यवसायी की तरह रहते हैं।

एयर इंडिया की ट्रैवल एडवाइजरी

एयर इंडिया ने नेपाल की राजधानी काठमांडू में मौजूदा हालात और हवाई अड्डे के अस्थायी बंद को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए महत्वपूर्ण ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए कहा है कि 9 सितंबर तक जारी किए गए टिकटों पर, 11 सितंबर तक की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए 'एक बार' टिकट रीशेड्यूल करने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। अगर आपने काठमांडू के लिए या काठमांडू से यात्रा करने के लिए टिकट बुक किया है और यात्रा की तारीख अब से 11 सितंबर तक है तो छूट का लाभ ले सकते हैं।

खंडवा : पटरी से उतरी मालगाड़ी मुंबई-दिल्ली रूट चार घंटे ठप

खंडवा, एजेंसी

रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बड़ा रेल हादसा टल गया। मुंबई की ओर से चलकर गुरुग्राम की ओर जा रही एक मालगाड़ी अचानक डिरेल हो गई। हादसा स्टेशन के ठीक पहले पड़ने वाले टर्निंग पॉइंट पर हुआ, जहां इंजन तो पटरी पर सुरक्षित आगे बढ़ गया, लेकिन उसके पीछे जुड़े दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दौरान इंजन के ठीक बाद वाला पहला डिब्बा हवा में लटक गया, जबकि दूसरा डिब्बा दो अलग-अलग पटरियों के बीच तिरछा फंस गया। गनीमत रही कि ड्राइवर ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत ट्रेन को रोक दिया, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। घटना के समय मालगाड़ी पूरी तरह खाली थी, इसी वजह से न तो जनहानि हुई और न ही माल का नुकसान हुआ। हादसे के बाद खंडवा रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में अचानक गड़गड़ाहट और तेज आवाज सुनाई दी। तत्काल मौके पर रेलवे स्टाफ और तकनीकी दल ने स्थिति का जायजा लिया।

रायबरेली में राहुल का काफिला रोकने पर विवाद, हुई झूमाझटकी

रायबरेली, एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी आज रायबरेली के दौरे पर हैं। राहुल के काफिले को यहां विरोध का सामना करना पड़ा। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उनका काफिला रोका। योगी आदित्यनाथ सरकार के उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह और उनके समर्थकों ने राहुल के दौरे का प्रोटेस्ट किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने हरचंदपुर में प्राथमिक विद्यालय के निकट पोस्टर बैनर के साथ राहुल गांधी वापस जाओ के नारे लगाए। इस दौरान राहुल वापस जाओ के नारे भी लगाए गए। इस पर कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है और इसे अलोकतांत्रिक बताया है। भाजपा ने प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर राहुल से माफी की मांग की है। इस बीच जब पुलिस दिनेश सिंह और अन्य को रास्ते से हाटने के लिए पहुंची तो बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ उनकी धक्का-मुक्की भी हुई।

मनी लॉन्ड्रिंग में कर्नाटक के कांग्रेस विधायक गिरफ्तार

बंगलूरू, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी की ओर से यह कार्रवाई राज्य में कथित अवैध लौह अयस्क निर्यात से जुड़े धन शोधन के एक मामले में की गई है। उत्तर कन्नड़ की कारवार विधानसभा सीट से 59 साल के विधायक को संघीय जांच एजेंसी के बंगलूरू क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया गया। उन्हें आज फिर से अदालत में पेश कर हिरासत की मांग की जाएगी। सैल पिछले कुछ हफ्तों में ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने वाले दूसरे कांग्रेस विधायक हैं।

चुनाव अधिकारियों की मीटिंग आधार लागू करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित इलेक्शन कमीशन के सीनियर अधिकारियों की राज्य चुनाव अधिकारियों के साथ मीटिंग जारी है। इसमें देशभर में वोटर्स लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन यानी वोटर्स वेरिफिकेशन, कराने की तैयारियों को लेकर चर्चा की जा रही है। आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद, पूरे देश में एसआईआर लागू किया जाएगा। चुनाव अधिकारियों को कोर्ट के निर्देशानुसार आधार को पहचान के रूप में लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। साल के अंत में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विसचुनावों से पहले यह शुरू हो सकती है। एसआईआर का मुख्य मकसद जन्म स्थान की जांच करके अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है।

कोलकाता में कम्प्लीट वेल्यू चैन @ वन डेस्टिनेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पीएम मित्र पार्क पर सीएम की उद्योग जगत के साथ वन -टू -वन मीटिंग जारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज कोलकाता में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठक कर रहे हैं। साथ ही टेक्सटाइल, वस्त्र एवं परिधान, आई टी, ईएसडीएम, मैन्युफैक्चरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी सहित सभी प्रमुख सेक्टर में संभावित निवेश अवसरों और व्यावसायिक साझेदारी पर चर्चा करेंगे। इंटरएक्टिव सेशन में पीएम मित्रा पार्क की निवेश संभावनाओं को विशेष रूप से पेश किया जाएगा। साथ ही निवेश-उपयुक्त परियोजनाएं, इंटीग्रेटेड लैंड बैंक, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर्स, प्लग-एंड-प्ले इन्फ्रास्ट्रक्चर और हाल ही में लागू की 18 नई निवेश नीतियों की जानकारी साझा की जाएगी।

कांग्रेस नेता गोलू और साथियों की 34.26 करोड़ की संपत्ति अटैच

इंदौर, एजेंसी

ऑनलाइन सट्टा और डब्बा ट्रेडिंग केस में ईडी ने कांग्रेस नेता विशाल अग्निहोत्री उर्फ गोलू और उनके 6 सहयोगियों पर बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार को इनकी 34.26 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति अटैच कर ली। इनमें फ्लैट, प्लॉट, कृषि भूमि, नकदी और विदेशी घड़ियां शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बाजार में इन संपत्तियों का वास्तविक मूल्य कागजी कीमत से लगभग चार गुना ज्यादा है। 14 जून 2024 को उज्जैन पुलिस ने क्रिकेट सट्टा खेलते 9 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में 14.58 करोड़ रुपए नकद, 41 मोबाइल, 19 लैपटॉप, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सिम कार्ड बरामद किए गए थे। इस पूरी कार्रवाई में गोलू अग्निहोत्री का नाम भी जुड़ा था।

आगरा: यमुना का कहर, ताजमहल का गेट डूबा

आगरा, एजेंसी

यमुना में आई बाढ़ से महताब बाग और ताज व्यू प्वाइंट पानी में डूब गए हैं। दोनों जगह पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। एत्माउद्दौला स्मारक के यमुना की तरफ बने 12 कमरों और आगरा किले की खाई में चार फीट पानी भर गया है। ताजमहल के पश्चिमी गेट और व्यू प्वाइंट की पार्किंग का रास्ता जलमग्न हो गया है। शहर की 100 से ज्यादा कॉलोनियां डूबी हैं। हजारों लोग राहत शिविरों और अपने परिचितों के घर शरण ले रहे हैं। बाढ़ के कारण यमुना ताजमहल की दीवार को छूकर बह रही है। ताज के पिछले हिस्से में बना गार्डन डूब चुका है। ताजमहल की खान-ए-आलम नर्सरी में भी बाढ़ का पानी भर गया है। ताजमहल आने वाले पर्यटकों की संख्या घट गई। दोनों स्मारक डूबने से विभागों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। बाढ़ की विभीषिका में मोक्षधाम पांच फीट पानी में डूब गया है। विद्युत शवदाह गृह बंद है। पोइया घाट पर मोक्षधाम में पानी भरने के कारण लोगों को सड़क पर चिताएं जलानी पड़ीं।

एमपी में मानसून कमजोर, 15 के बाद फिर एक्टिव होगा स्ट्रांग सिस्टम

भोपाल। प्रदेश में मानसून टर्फ सिस्टम कमजोर पड़ गया है जिससे तेज बारिश का दौर थम गया है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 सितंबर के बाद एक बार फिर स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव होगा। जिसके बाद पूरे प्रदेश में फिर से तेज बारिश का दौर शुरू होगा। हालांकि आज भी कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। प्रदेश में इस मानसूनी सीजन में अब तक औसत 41.4 इंच बारिश हो चुकी है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून टर्फ प्रदेश के ऊपर से गुजर रही है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर अंतरिक्ष यात्रा से लौटे शुभांशु शुक्ला ने यूनिवर्सिटी के छात्रों से साझा किये अनुभव

सिर सूज गया, दिल कम धड़क रहा था, लगा सब खत्म हो जाएगा, आत्मविश्वास ही था जिसने आगे बढ़ाया

लखनऊ, एजेंसी

हाल ही में 20 दिवसीय एक्सिओम-4 मिशन में अंतरिक्ष यात्रा से लौटे शुभांशु शुक्ला ने कहा - पृथ्वी से दूर अंतरिक्ष में 20 दिनों तक ऑर्बिट में रहा। इस दौरान मानसिक और शारीरिक रूप से सब कुछ बदल गया। छात्रों को खुद पर विश्वास रखने की सलाह देते हुए शुभांशु ने बताया कि कई बार लगा कि सब खत्म हो जाएगा, मोहभंग भी हुआ और डर भी लगा, लेकिन एक चीज जिसने मुझे आगे बढ़ाया वह था मेरा मुझ पर विश्वास। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष की यात्रा हो या जीवन की, हमें उसका आनंद लेना चाहिए। वे आज यहां एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में पहुंचे थे जहां उन्हें डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने कहा - सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण आपके शरीर को नया आकार देता है। आपका सिर सूज जाता है, आपकी धड़कन धीमी हो जाती है, आपकी श्वांस लंबी हो जाती है, और आपको मितली और सिरदर्द का सामना करना पड़ता है। लेकिन विज्ञान इंतजार नहीं करता। आप काम करते रहते हैं, जिम्मेदारी हमेशा भारी रहती है। इस मौके पर राजयपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि आज यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे गांवों में विकास के लिए अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि आपकी सफलता के पीछे सबसे बड़ी मेहनत आपकी मां की है, इसलिए घर जाकर अपना मेडल मां को समर्पित करिए।

अवसर हमेशा डर के पीछे होता है...

उनके अनुसार, नीला ड्रैगन कैप्सूल 28 हज़ार किमी प्रति घंटे की गति से पृथ्वी की परिक्रमा करता है, जो लखनऊ से दिल्ली की दूरी महज 60 सेकंड में तय करने जैसा है। वायुमंडल से टकराने पर कैप्सूल का तापमान 4,000 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच जाता है। उन्होंने कहा, 'साहस का अर्थ डर न होना नहीं, बल्कि डर के बावजूद आगे बढ़ना है। अवसर हमेशा डर के पीछे छुपा होता है.'खिड़की से हम लाल, नारंगी, हरे और बैंगनी रंग की लपटों को कैप्सूल को अपनी चपेट में लेते हुए देख सकते थे। उस आग से हमारे जीवन और इंजीनियरिंग की चमक को एक पतली लाल रेखा अलग कर रही थी। उसे सहने के लिए साहस की जरूरत होती है।

लोकल एक्टिविटी के कारण हो रही बारिश

भोपाल. दो दिन के ब्रेक के बाद मंगलवार को एक बार फिर राजधानी तर हो गई। सुबह धूप छांव की स्थिति रही तो दोपहर बाद शहर में झमाझम बारिश हुई। शहर के अलग-अलग हिस्सों में काले घने बादलों के बीच तकरीबन ढाई घंटे तक बारिश का क्रम चलता रहा। इस दौरान सड़कों पर पानी भर गया। कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी। इस दौरान लोगों को जाम से भी जूझना पड़ा। इधर फुल टैंक लेवल होने पर भदभदा का एक गेट दूसरी बार खोला गया। वहीं बुधवार सुबह धूप निकली। तापमान में भी बढ़ोतरी हुई है।

सड़कें लबालब, कॉलोनियों में भी जलभराव

भारी बारिश के चलते शहर की सड़के पानी-पानी हो गई। अनेक चौक चौराहे बारिश के बाद लबालब नजर आए और घुटनों से अधिक पानी भरा हुआ रहा। शहर के बाणगंगा चौराहा, व्यापमं चौराहा, हमीदिया रोड सहित अनेक स्थानों पर इस तरह की स्थिति दिखाई दी, वहीं नए और पुराने शहर की कई कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति भी नजर आई।

अभी इसी तरह रहेगा मौसम का मिजाज

मौसम विज्ञानी के अनुसार इस समय एक डिप्रेशन पाकिस्तान की ओर बना है, जहां से राजस्थान तक एक ट्रफ बनी हुई है। इसी प्रकार दक्षिण ओडिशा तट, आंध्र प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवात है। इसके कारण नमी आ रही है, साथ ही लोकल एक्टिविटी के कारण बादल बनकर बारिश हो रही है।

तस्करों और अपराधियों पर इंटेलिजेंस की नजर, चार जोन में निरीक्षकों की तैनाती

थानों ने जारी की टॉप टेन अपराधियों की सूची, मुखबिरों को किया अलर्ट

भोपाल, दोहपर मेट्रो

अपराध और नशा तस्करी पर रोक लगाने के लिए पुलिस कमिश्नर ने जिला लेवल पर नई रणनीति बनाई है। इसमें लोकल इंटेलिजेंस की विशेष टीम गठित की है, जो शहर भर में सक्रिय अपराधियों, नशा तस्करों और जेल से छूटकर आने वाले आरोपियों पर नजर रखेगी। वहीं क्राइम ब्रांच की टीम के साथ जुड़कर इंटेलिजेंस टीम तस्करों के नेटवर्क का पर्दाफाश करेंगी। पुलिस कमिश्नर हरि नारायण चारी मित्र ने बताया कि हर जोन में एक-एक प्रभारी अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सभी थाना क्षेत्रों में थाना प्रभारी को आदेश दिए है कि एरिया टॉप टेन अपराधियों का लिस्ट जारी करें। साथ ही जेल से छूटने वाले आरोपियों पर नजर रखें।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यह टीम हर इलाके में आम लोगों से भी संपर्क बनाएगी, ताकि उन्हें भी जागरूक किया जा सके और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस तक पहुंचाई जा सके। इससे अपराध और तस्करी के ग्राफ में गिरावट आएगी। वहीं शहर के थाना प्रभारियों को आदेश दिया है सूचना मिलने पर आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई करें।

ग्रामीण इलाके में टीम अलर्ट

क्राइम ब्रांच के साथ ही यह टीम ग्रामीण एरिया में नशा और हथियार की तस्करी करने वाले आरोपियों पर पूरी नजर रखेगी। जोन में तैनात निरीक्षक प्रतिदिन यह रिपोर्ट तैयार करेंगे। संदिग्धों की सूचना तत्काल क्राइम ब्रांच को भेजेगी। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय होकर जानकारी जुटाएं और छोटे अपराधों को भी गंभीरता से लें। छोटी घटनाओं को नजर अंदाज करने से ही बड़े अपराध जन्म लेते हैं। सर सूचना पर तत्काल एक्शन लें। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि राजधानी की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करना प्राथमिकता है। संदिग्धों की गतिविधियों पर रखी जाए। इसी उद्देश्य से लोकल लेवल पर इंटेलिजेंस टीम बनाई है। यह टीम गुप्त रूप से जानकारी एकत्रित करेगी और संबंधित थाना प्रभारियों को तुरंत सूचित करेगी। जिससे किसी भी घटना को पहले ही रोका जा सके।

जेल से छूटने वाले आरोपियों पर नजर : जानकारी के अनुसार जेल से छूटकर आने वाले अपराधियों पर भी विशेष नजर रखने के लिए सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं। जेल से बाहर आने के बाद अपराधी दोबारा अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। इसलिए थाना प्रभारियों को आदेश दिया है कि वे ऐसे लोगों की पूरी जानकारी रखें और उनकी गतिविधियों पर नजर रखें।

अवध मार्ग पर ढाई सौ फीट का हिस्सा बना मखमल में टाट का पैबंद

पंकज तिवारी, कोलार संवाददाता

कोलार रोड से होशंगाबाद रोड को जोड़ने वाले फोर लेन रोड यानी अवध मार्ग पर ढाई सौ फुट का टुकड़ा जिला प्रशासन के ढुलमुल रवैये के चलते मखमल में टाट का पैबंद बना हुआ है । यह ज़मीन का टुकड़ा दो लोगों के प्लॉट का हिस्सा था जिस पर हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद मुआवजा नहीं मिल पा रहा है । मुआवजा जिला प्रशासन को देना है , लेकिन उसकी सुस्ती के चलते फोरलेन कंक्रीट रोड का यह हिस्सा नहीं बन पा रहा है । बरसात में गड्ढे से भरे इस टुकड़े पर बजरी बजरी इसलिए डाली गई क्योंकि वहाँ से राज्यपाल मंगू भाई का क़ाफ़िला गुजरना था। लेकिन बाद में थोड़ी सी बारिश के चलते इसमें फिर गड्ढे हो गए और लोगों का स्वागत इसी गड्ढे से होता है ।

इस अवध मार्ग का का महत्त्व इसी से समझा जा सकता है कि है कोलार रोड के ष्ट्र हाईट तिराहा से दानिश कुंज, बंजारी सोसाइटी, विराशा हाईट,अभिव्यक्ति सोसाइटी, सहित रोहित, नगर बावडिया की कालोनियों को यह होशंगाबाद रोड से जोड़ता है। बावडिया रेलवे ओवरब्रिज होते हुए लोग होशंगाबाद पहुँचते हैं। दूसरी तरफ़ यह सड़क औरा मॉल , बंसल हॉस्पिटल रोड और जेके मेडिकल कालेज एरिया को कलियासोत ब्रिज के जरिये जोड़ती है। अभी भी तय नहीं है कि कब मुआवजे का निपटारा होगा और लोगों को परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

दुकानदार पर अड़ीबाजी, रुपये नहीं देने पर वाहनों में तोड़फोड़, केस केस

भोपाल। राजधानी के गौतम नगर में रहने वाले एक स्क्रैप कारोबारी पर बदमाशों ने बीस हजार रुपये की अड़ीबाजी की। दुकानदार ने जब रुपये देने से मना किया तो आरोपियों ने घर के सामने खड़ी जीप और कारों में तोडफ़ोड़ कर दी। पुलिस ने शिकायत के बाद आधा दर्जन बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार अजहर उद्दीन (42) रंभा नगर गौतम नगर में रहते हैं और कबाड़ख़ाने में स्क्रैप की दुकान चलाते हैं। पिछले दिनों शहजाद नामक व्यक्ति उनके पास पहुंचा और बोला कि दुकान चलाना है तो बीस हजार रुपये देना होंगे। बीती सात सितंबर की शाम करीब पांच बजे अजहर के बेटे के साथ शहजाद ने मारपीट कर पिता से बीस हजार रुपये दिलाने का बोला था। उसके बाद आठ सितंबर की शाम करीब सात बजे अजहर घर पर थे, तभी शहजाद, साहिल बच्चा, सबूर और उसके अन्य साती गाडियों में घर के सामने पहुंचे और अजहर का नाम लेकर गाली-गलौज करने लगे। अजहर बाहर निकले तो बदमाश हाथों में चाकू-छुरी लिए हुए खड़े मिले। उन्होंने अजहर पर बीस हजार की अड़ीबाजी की और जब उन्होंने रुपये देने से इंकार किया तो सभी ने बाहर खड़ी उनकी जीप और कारों में हथियार मारकर कांच फोड़ दिए। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग बाहर निकले तो बदमाश हथियार लहराते हुए भाग निकले। रास्ते में कई अन्य कारों को भी काफी नुकसान पहुंचाया। अजहर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आधा दर्जन आरोपियों के खिलाफ अड़ीबाजी और तोडफ़ोड़ समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

बीयू : द्वितीय और तीसरे वर्ष में ट्रांसफर के आवेदन 20 सितंबर तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने सत्र 2025-26 के लिए द्वितीय और तीसरे वर्ष में ट्रांसफर और परीक्षा स्टेटस बदलने के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू कर दिए है। यह आवेदन 20 सितंबर तक होंगे। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर जाकर 300 रुपये की आवेदन शुल्क के साथ आवेदन जमा कर सकते हैं। बीयू अनुसार ट्रांसफर के लिए दोनों संबंधित शिक्षण संस्थानों से अनापत्ति प्रमाण पत्र अनिवार्य होगा। स्वाध्यायी से नियमित व नियमित से स्वाध्यायी परीक्षा स्टेटस परिवर्तन भी समय-समय पर उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार किया जा सकेगा। छात्रों को सूचित किया गया है कि आवेदन प्रक्रिया निर्धारित समय में पूरी करें ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके।

आरजीपीवी : ब्रांच अपग्रेडेशन के आवेदन 12 सितंबर तक होंगे

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (यूआईटी) में बीटेक द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ब्रांच अपग्रेडेशन के आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 12 सितंबर निर्धारित की गई है। विद्यार्थी यूआईटी की वेबसाइट से अपने अकाउंट में लॉगिन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। विद्यार्थियों को आवंटन पत्र की स्कैन कॉपी अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन प्रक्रिया तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के आदेशों के अनुसार होगी। यूआईटी ने स्पष्ट किया है कि खाली सीट संभावित हैं।

तीन स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी

भोपाल. दशहरा, दिवाली एवं छठ पूजा पर यात्रियों को कंफर्म सीट दिलाने के लिए रेलवे ने तीन नई स्पेशल ट्रेनों की घोषणा की है। वरिष्ठ डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि मुंबई-गोरखपुर, पुणे-गोरखपुर और नागपुर-समस्तीपुर के बीच विशेष ट्रेनें शामिल हैं। ये सभी ट्रेनें भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी। गाड़ी संख्या 01207 - 24 सितंबर से 26 नवंबर तक हर बुधवार सुबह 10.40 बजे नागपुर से चलेगी और गुरुवार रात 9.30 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01208- 25 सितंबर से 27 नवंबर तक हर गुरुवार रात 11.45 बजे समस्तीपुर से रवाना होगी और शनिवार सुबह 7 बजे नागपुर पहुंचेगी। 01415- 27 सितंबर से 30 नवंबर तक सुबह 6.50 बजे पुणे से चलेगी और अगले दिन शाम 4 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01079 - 26 सितंबर से 30 नवंबर तक रात 10.30 बजे मुंबई से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 01080 - 28 सितंबर से 2 दिसंबर तक गोरखपुर से सुबह 11.30 बजे चलेगी और अगले दिन रात 12.40 बजे मुंबई पहुंचेगी।

'एम्स स्वास्थ्य' मोबाइल एप में नई डिजिटल सुविधाएं, बिना कतार होगा पंजीयन

भोपाल। नई सुविधा ई-विजिट के तहत मरीज बिना कतार में लगे ओपीडी पंजीकरण कर सकते हैं। अस्पताल परिसर में लोकेशन एक्सेस देकर ऐप से खुद टिकट जेनरेट कर प्रिंट करवाया जा सकता है। ऐप से परामर्श शुल्क और ओपीडी सेवाओं का सीधे डिजिटल भुगतान भी किया जा सकता है। इससे डिजिटल प्रिस्क्रिप्शन, डिस्चार्ज समरी और लैब रिपोर्ट कभी भी, कहीं भी देखा और डाउनलोड किया जा सकता है। इससे समय की बचत के साथ ही कागज़ का इस्तेमाल भी घटेगा। भोपाल न्न पत्रिका. एस भोपाल ने 'एस स्वास्थ्य' मोबाइल ऐप में नई डिजिटल सुविधाएं शुरू की हैं, जिनसे मरीजों का इंतजार समय कम होगा और परामर्श प्रक्रिया तेज तथा पारदर्शी बनेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय की डिजिटल हेल्थकेयर सर्विसेज एट योर फिंगरटिप्स के आधार पर यह ऐप अब स्वास्थ्य सेवाओं का वन-स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म बन गया है। यह ऐप आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अनुरूप है। इसके जरिए मरीज अपना आभा आइडी बना सकते हैं या पहले से बनी आईडी को लिंक कर सकते हैं। इससे अस्पताल में बने स्वास्थ्य अभिलेख देशभर के अन्य अस्पतालों में भी आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे।

मेट्रो एंकर किताब उत्सव-कविता-संग्रह का लोकार्पण

भगत सिंह के बारे में कई मिथक फैले हुए हैं : गर्ग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भगत सिंह ने पहले से शहादत का रास्ता चुन रखा था। यह गलतफहमी है कि महात्मा गांधी ने भगत सिंह की फांसी रोकने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। यह बात लेखक प्रदीप गर्ग ने कही। वह हिन्दी भवन में चल रहे किताब उत्सव के चौथे दिन अपनी पुस्तक क्रांतिपथ का पथिक - दास्तान भगतसिंह की' के सन्दर्भ में चर्चा कर रहे थे। गर्ग ने कहा कि भगत सिंह के बारे में कई मिथक फैले हुए हैं, जिनको इस पुस्तक में तोड़ने का प्रयास किया गया है।

किताब उत्सव के चौथे दिन पांच सत्रों में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान 'भारतीय साहित्य का समकाल', 'देश प्रेम की विरासत', 'आलोचना का आज' जैसे विषयों पर हुई चर्चा हुई। कार्यक्रम में नवीन सागर और पवन करण की 'प्रतिनिधि कविताएं' और विनय दुबे की 'सम्पूर्ण कविताएं' पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में हिमालय यात्री व लेखक अजय सोडानी ने अपनी किताब 'एक था जांस्कर' के सन्दर्भ में व्याख्यान दिया। सोडानी ने कहा

कि आज हिमालय पर क्या हो रहा है, यह सबको पता है लेकिन हमारे बीच से गहन चिंतन अनुपस्थित है। सोडानी ने कहा कि हिमालय के मरने की खबर हमारे पास नहीं आती। उन्होंने कहा कि आज दुनिया दो हिस्सों में बंटी है- एक वे जो प्रकृति के लिए लड़ते हैं और दूसरे जो प्रकृति को हराना चाहते हैं।

भोपाल में सरकारी जमीन मामले में कार्रवाई

36 नोटिस...10 दिन में देना होगा जवाब, कमर्शियल प्रॉपर्टी पर चलेगा बुलडोजर

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भोपाल के अनंतपुरा कोकता में पशुपालन विभाग की जमीन पर कब्जे के मामले में नोटिस जारी किए गए हैं। गोविंदपुरा तहसीलदार सौरभ वर्मा ने 36 लोगों से 10 दिन में जवाब मांगा है। जिसमें कब्जे से जुड़ी पूरी जानकारी शामिल रहेगी। यदि प्रशासन जवाब से संतुष्ट नहीं होता है तो कब्जे को हटाने की कार्रवाई होगी। सबसे पहले कमर्शियल प्रॉपर्टी पर बुलडोजर चलेगा।

तहसीलदार सौरभ वर्मा ने बताया- मामले को सुनने के लिए नियमानुसार वक्त दिया है। इस अवधि में सभी को जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। जवाब मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया करेंगे। बता दें, डायमंड सिटी के 20 मकान भी जद में है। इसके अलावा खेती कार्य के लिए कब्जा करने पर 8, कॉलोनी के पहुंच मार्ग के लिए 4 नोटिस दिए हैं। इसके अलावा बीपीएस स्कूल, द ग्रीन स्केप मेंशन शादी हॉल/रिसोर्ट समेत एक हॉस्टल और एक दुकान संचालक को भी नोटिस दिए हैं।

सीमांकन में इतना कब्जा मिला था

सीमांकन रिपोर्ट के अनुसार, 4 कॉलोनी के गेट, सड़क और पार्क भी कब्जे में शामिल हैं। वहीं, डायमंड सिटी कॉलोनी में 20 मकान, एक प्राइवेट स्कूल, शादी हॉल/रिसोर्ट, 1 एकड़ जमीन पर खेती, फार्म हाउस और पक्का निर्माण और 130 डेसीमल भूमि पर अवैध तरीके से खेती करना पाया गया। दुकानें, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पेट्रोल पंप नगर निगम के हैं। वहीं, बायपास का 200 फीट हिस्सा भी पशुपालन विभाग की जमीन पर ही निकला था। ऐसे में इन्हें सरकारी प्रक्रिया में कोई राहत मिल सकती है।

पक्ष रख चुके लोग, कहा-कोई लेना नहीं

सीमांकन के दौरान निशान और जमीन पर खूटियां लगाई गई थी। इससे स्पष्ट हो गया था कि प्रशासन किन लोगों को नोटिस देगा। इसलिए लोग एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव को अपनी पीड़ा सुना चुके हैं। वहीं, कई लोग पहले से ही अपना पक्ष बता चुके थे। स्कूल के संचालक अमिताभ वर्मा ने बताया- स्कूल के लिए 2400 स्क्वायर फीट जमीन दिसंबर 2021 में सिद्धार्थ सिन्हा ने खरीदी थी। जमीन की जानकारी जुटाई तो यह सही बताई गई थी। इसके बाद एसडीएम ऑफिस से नामांतरण कराया। सभी अनुमति लेने के बाद ही बिल्डिंग बनाई और स्कूल संचालित करना शुरू किया। स्कूल को लेकर भी जिला शिक्षा विभाग से सभी अनुमति और मान्यता प्राप्त की गई। लोगों का भी कहना है कि जमीन खरीदते समय सारे रिकॉर्ड देखें थे। डायवर्जन, रजिस्ट्री, नक्शे, नामांकन कराया। सरकारी तौर पर जब बटांकन कराया तो आरआई-पटवारी आए। उन्होंने ही बताया था कि उनके हिस्से में कहीं कोई सरकारी जमीन नहीं है।

अब तक यह प्रक्रिया हुई

- 27 अगस्त को गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव, तहसीलदार सौरभ वर्मा की मौजूदगी में 11 पटवारी और 3 राजस्व निरीक्षकों ने सीमांकन शुरू किया था।
- तीन दिन के भीतर सीमांकन कार्य पूरा हो गया। इसके बाद रिपोर्ट एसडीएम और तहसीलदार को दी गई। रिपोर्ट में बताया गया कि किस रकबे में किसका और कितना कब्जा है?
- इसी बीच 2 सितंबर को डायमंड सिटी समेत आसपास रहने वाले कई लोग एसडीएम ऑफिस पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई।
- 3 सितंबर को यह रिपोर्ट एसडीएम श्रीवास्तव और तहसीलदार वर्मा ने कलेक्टर को पेश की।
- 8-9 सितंबर को चिंह्नित कब्जाधारियों को नोटिस भेजे गए।
- नोटिस में 10 दिन की मोहलत दी गई है।

अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में सीहोर में होगा आयोजन

किसान सम्मेलन में हिस्सा लेने शिवराज सिंह के गढ़ आ सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सीहोर जिले के लिए यह अक्टूबर बेहद खास हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक बार फिर सीहोर आने की संभावना जताई जा रही है। 12 से 15 अक्टूबर तक जिले में आयोजित होने वाले चार दिवसीय किसान सम्मेलन के दौरान किसी एक दिन पीएम मोदी की उपस्थिति सुनिश्चित करने की कोशिशें जारी हैं। प्रधानमंत्री के आगमन की चर्चा से जिले में उत्साह और प्रशासन में सतर्कता दोनों ही देखने को मिल रही है।

प्रदेश की मोहन यादव सरकार किसानों के लिए बड़े पैमाने पर सम्मेलन आयोजित कर रही है। सीहोर को इस आयोजन के लिए चिह्नित किया गया है। सम्मेलन में खेती की नई तकनीक, सरकारी योजनाओं की जानकारी और फसल उत्पादन बढ़ाने की रणनीतियां साझा की जाएंगी। किसानों को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी से यह सम्मेलन और ऐतिहासिक बन जाएगा।

प्रशासन अलर्ट मोड पर- प्रधानमंत्री के संभावित दौरे की खबर मिलते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया। सुरक्षा, यातायात और मंच व्यवस्था की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। एसडीएम तन्मय वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री का दौरा संभावित है, लेकिन अभी कार्यक्रम की तिथि तय नहीं हुई है।

संभावित स्थानों का निरीक्षण

पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए तीन आईएएस अधिकारियों की टीम ने सीहोर का दौरा किया। उन्होंने तीन प्रमुख जगहों का निरीक्षण किया। इनमें शेरपुर मैदान, सोया चौपाल और आरएके कृषि कॉलेज शामिल हैं। सभी स्थलों की सुरक्षा और पहुंच सुविधा को ध्यान में रखकर आकलन किया गया। शेरपुर मैदान सबसे प्रमुख विकल्प माना जा रहा है। यह वही जगह है, जहां प्रधानमंत्री मोदी पहले भी किसानों के बीच आ चुके हैं। पिछली यात्रा की यादें आज भी किसानों के दिलों में ताजा हैं, जब 18 फरवरी 2016 को उन्होंने कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में कई घोषणाएं की थीं। विशाल मैदान होने के कारण यहां बड़े स्तर पर भीड़ संभालना भी आसान होगा।

सोया चौपाल का किसानों से जुड़ाव

सोया चौपाल किसानों की भावनाओं से सीधे जुड़ा स्थान है। इंदौर-भोपाल हाईवे से जुड़े होने के कारण किसानों की आवाजाही भी सरल हो जाएगी। कई किसान चाहते हैं कि प्रधानमंत्री इसी चौपाल से उनके बीच सीधा संवाद करें, जिससे उनकी समस्याओं और उम्मीदों पर अधिक गहराई से चर्चा हो सके।

कृषि कॉलेज का बेहतर विकल्प

आरएके कृषि कॉलेज का परिसर भी बड़ा और सुरक्षित स्थल है। यहां पर सम्मेलन आयोजित होने से कृषि अनुसंधान और किसानों का सीधा जुड़ाव दिखेगा। साथ ही सुरक्षा इंतजाम और पार्किंग जैसी व्यवस्थाएं भी आसानी से की जा सकती हैं।

किसानों की अपेक्षाएं

प्रधानमंत्री मोदी के संभावित आगमन से किसानों में उत्सुकता बढ़ गई है। उनका मानना है कि इस बार वे बीमा राशि, न्यूनतम समर्थन मूल्य और सिंचाई योजनाओं पर सीधे अपनी बात रख पाएंगे। किसानों को यह भी उम्मीद है कि प्रधानमंत्री सीहोर से कोई नई बड़ी योजना की घोषणा कर सकते हैं।

पिछली यात्रा की यादें

किसान अभी भी पीएम मोदी की पिछली सीहोर यात्रा को याद करते हैं। उस समय उन्होंने किसानों के बीच जाकर आत्मनिर्भर भारत और आधुनिक खेती की दिशा में नई नीतियों का संदेश दिया था। किसानों का मानना है कि हर बार प्रधानमंत्री का दौरा उनकी समस्याओं और समाधान को लेकर नई उम्मीदें जगाता है।

स्थान बदलने की संभावना

यदि किसी कारणवश सीहोर में पर्याप्त जगह या अन्य व्यवस्था नहीं हो पाती, तो यह आयोजन रायसेन या भोपाल में भी स्थानांतरित हो सकता है। लेकिन प्रशासन की पहली प्राथमिकता सीहोर ही है और तैयारियां उसी दिशा में की जा रही हैं।

विभाग ने जारी की अंक योजना

पांचवीं व आठवीं की बोर्ड परीक्षा में लंबे जवाब वाले सवाल होंगे कम

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश बोर्ड से संबद्ध सरकारी और निजी स्कूलों में पांचवीं एवं आठवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा मार्च 2026 में आयोजित की जा सकती है। राज्य शिक्षा केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार परीक्षा एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्यपुस्तकों और पाठ्यक्रम के आधार पर होगी।

परीक्षा परिणाम का आकलन अर्द्धवार्षिक परीक्षा (20 अंक), लिखित परीक्षा (60 अंक) और प्रोजेक्ट कार्य (20 अंक) के आधार पर किया जाएगा। इस बार प्रश्नपत्रों में बदलाव किया गया है। प्रत्येक विषय में दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की संख्या कम होगी, जबकि अति लघुउत्तरीय और लघुउत्तरीय प्रश्नों की संख्या अधिक रखी जाएगी।

साथ ही 10 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न भी शामिल होंगे। अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन भी ब्लू प्रिंट के आधार पर किया जाएगा। सरकारी स्कूलों के लिए प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से तैयार कराए जाएंगे, जबकि निजी स्कूलों को ब्लू प्रिंट के अनुसार स्वयं प्रश्न-पत्र तैयार करने होंगे।

पांच अंक के चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे

दोनों कक्षाओं में पांच अंक के चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। वहीं छह-छह प्रश्न अति लघुउत्तरीय व लघुउत्तरीय होंगे। इसके अलावा पांच बहुविकल्पीय व पांच रिक्त स्थान के प्रश्न होंगे।

33 प्रतिशत अंक लाना होगा

प्रत्येक विषय की लिखित परीक्षा व आंतरिक मूल्यांकन में अलग-अलग न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक होगा। प्रत्येक विषय के बाह्य एवं आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम अर्हकारी अंक प्राप्त नहीं करने वाले विद्यार्थियों को पुन-परीक्षा में शामिल होना होगा। पुन-परीक्षा में भी फेल होने वाले विद्यार्थियों को उसी कक्षा में रोका जाएगा।

मप्र में आज से प्रारंभ होगा नीट यूजी का दूसरा राउंड

पहले दिन संशोधित मेरिट लिस्ट और पात्र उम्मीदवारों की सूची होगी जारी

भोपाल। प्रदेश के मेडिकल महाविद्यालयों में एमबीबीएस और बीडीएस पाठ्यक्रमों में एडमिशन के लिए नीट-यूजी काउंसलिंग 2025 का दूसरा आज से शुरू हो रहा है। पहले दिन इन पाठ्यक्रमों में महाविद्यालयवार खाली सीटों की सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके साथ ही संशोधित मेरिट लिस्ट और पात्र उम्मीदवारों की सूची भी जारी होगी।

मध्य प्रदेश मेडिकल शिक्षा आयुक्त कार्यालय भोपाल द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार, 11 सितंबर से 14 सितंबर तक उम्मीदवार अपनी नई पसंद भर सकेंगे और चॉइस लॉक कर पाएंगे। यह प्रक्रिया सभी उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य है, चाहे वे पहले राउंड में दाखिला ले चुके हों और अपग्रेडेशन चाहते हों। दूसरे राउंड का अलॉटमेंट रिजल्ट 16 सितंबर को घोषित किया जाएगा। इसके बाद 17 सितंबर से 24 सितंबर तक चयनित उम्मीदवारों को अपने अलॉटेड मेडिकल या डेंटल कॉलेज में दस्तावेज सत्यापन और प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी होगी। दूसरे राउंड में दाखिला लेने वाले और पहले राउंड से अपग्रेडेशन चुनने वाले उम्मीदवार 17 सितंबर से 27 सितंबर तक एमओपी-अप राउंड के लिए अपनी सहमति दर्ज कर सकते हैं। इसी अवधि में आनलाइन माध्यम से कालेज स्तर पर एडमिशन रद्द कराने या इस्तीफा देने की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उम्मीदवारों के पास 27 सितंबर तक काउंसलिंग, अपग्रेडेशन और प्रवेश की सभी औपचारिकताएं पूरी करने का मौका रहेगा।

बीज संघ ने किया उच्च गुणवत्ता वाले हाइब्रिड बीजों का उत्पादन प्रारंभ

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं विपणन संघ मर्यादित के संचालक मंडल की बैठक की। बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए संघ द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रजनक बीज उठाव एवं वितरण, आधार एवं प्रमाणित बीज के उत्पादन और विपणन की वर्तमान स्थिति तथा आगामी लक्ष्यों की समीक्षा की गई। मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की वास्तविक मांग के अनुरूप बीजों का उत्पादन बढ़ाया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि जिन बीजों एवं ब्रांड की अधिक मांग है।

आरोग्य भारती भोपाल व्याख्यानमाला का 11वां वार्षिकोत्सव आज

डॉ. चन्द्रप्रकाश द्विवेदी बताएंगे 'चाणक्य' की दृष्टि से स्वास्थ्य और संस्कृति क्या है

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

स्वस्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था आरोग्य भारती आज मेरा स्वास्थ्य मेरी जिम्मेदारी के मूलमंत्र पर आधारित मासिक स्वास्थ्य-व्याख्यानमाला का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम पिछले 11 सालों से समाज में स्वास्थ्य-जागरूकता का व्यापक प्रसार कर रहा है। इसका ध्येय है- आरोग्यम् मम् स्वभावः, अधिकारः, कर्तव्यं च अर्थात् स्वास्थ्य को व्यक्तिगत जिम्मेदारी मानकर स्वस्थ समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना। इसी क्रम में सायं 4:30 बजे अंजनी सभागार, रवीन्द्र भवन, आयोजित कार्यक्रम में आज देश के प्रख्यात चिंतक, साहित्यकार एवं फिल्म निर्देशक डॉ. चन्द्रप्रकाश द्विवेदी ,जिन्होंने ऐतिहासिक धारावाहिक चाणक्य में चाणक्य की भूमिका का निर्वहन किया था मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। वे भारतीय सांस्कृतिक अवधारणा में स्वास्थ्य चिंतन एवं वर्तमान सन्दर्भों में प्रासंगिकता विषय पर उद्बोधन देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघव देवाचार्य करेंगे। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्व्यंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख स्वांत रंजन रहेंगे। आयोजन के सारस्वत अतिथि डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय राष्ट्रीय संगठन सचिव, आरोग्य भारती हैं।

पावर मैनेजमेंट कंपनी ने 2056 पेंशनर्स के लिए बनाई नई व्यवस्था

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना में शामिल होने के इच्छुक एमपी पावर मैनेजमेंट के पेंशनर्स व परिवार पेंशन के लिए उनके विकल्प फार्म जमा करने के लिए नई व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत विद्युत मण्डल एवं उसकी उत्तरवर्ती विद्युत कंपनियों से सेवानिवृत्ति के उपरांत एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी से पेंशन व परिवार पेंशन प्राप्त करने वाले पेंशनर्स योजना में शामिल होने के लिए निर्धारित प्रपत्र व विकल्प जबलपुर स्थित शक्तिभवन ब्लॉक नंबर 14 में पावर मैनेजमेंट कंपनी के लेखाधिकारी वेतन व पेंशन कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पावर मैनेजमेंट कंपनी के माध्यम से वर्तमान में 2056 पेंशनर्स व परिवार पेंशनर्स प्रतिमाह पेंशन प्राप्त करते हैं। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन व प्रशासन राजीव गुप्ता ने जानकारी दी है कि समस्त विद्युत कंपनियों के सभी नियमित, संविदा कार्मिकों व पेंशनर्स और उनके पात्र आश्रितों के लिए प्रस्तावित है। इस योजना के अंतर्गत इम्प्लीमेंटेशन सपोर्ट एजेंसी (आईएसए) नियुक्त करने की प्रक्रिया वर्तमान में चालू है। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्मिकों व पेंशनर्स से उनके विकल्प एकत्रित किया जाना है।

मेट्रो एंकर | तकनीकी शिक्षा मंत्री परमार ने विभागीय समीक्षा में दिए सख्त निर्देश

जापानी और जर्मन भाषा सिखाने के लिए बनाएं कार्ययोजना

भोपाल/राजगढ़, दोहपर मेट्रो

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने निर्देश दिए हैं कि सेवा भर्ती नियम-2004 के अंतर्गत नियुक्त उच्च पदों पर पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने शासकीय तकनीकी शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता नियमों का पुनरावलोकन कर समसामयिक बनाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के झाबुआ स्थित परिसर में संचालित यूआईटी (यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) के लिए यथावत सतत् संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा। उन्होंने तकनीकी शिक्षण संस्थानों में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मापदंडों के अनुरूप शैक्षणिक पदों की भर्ती एवं प्रयोगशालाओं आदि के लिए आवश्यक मानव संसाधन की पूर्ति शीघ्र करने के निर्देश दिए।

मंत्री परमार ने उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण के लिए क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं मांगों के व्यापक अध्ययन के साथ क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश के लिए आवश्यक क्रियान्यवन करने को कहा। मंत्री परमार ने तकनीकी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को जापानी एवं जर्मनी भाषा सिखाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने को कहा है। इससे विद्यार्थियों को वहां रोजगार के अवसरों के अनुरूप संवाद में भाषाई सहजता प्राप्त हो सकेगी और देशों के मध्य सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे।

इन मुद्दों पर हुई विस्तृत चर्चा

बैठक में तकनीकी शिक्षण संस्थानों में आईआईटी की तर्ज पर एमपीआईटी की स्थापना, कोडिंग लैब्स, डिजिटल यूनिवर्सिटी, राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की प्रगति, संस्थानों में शोध, अनुसंधान एवं पेटेंट की अद्यतन स्थिति, संस्थानों में तकनीकी शब्दकोश की उपलब्धता, संस्थान परिसरों में विद्यावन स्थापना की प्रगति, शुजालपुर में आरजीपीवी अंतर्गत यूआईटी की स्थापना, इनोवेट एमपी की दृष्टि से सृजन कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति सहित विभिन्न विभागीय विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख सचिव तकनीकी शिक्षा मनीष सिंह एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा अवधेश शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जीत संग जिम्मेदारी

उपराष्ट्रपति चुनाव में NDA के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन की जीत अप्रत्याशित नहीं है। संख्या बल शुरू से उनके साथ था। I.N.D.I.A. ब्लॉक सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज बी. सुदर्शन रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारकर एक मेसेज देना चाहता था और इसमें वह काफी हद तक सफल रहा। वैसे भी उपराष्ट्रपति चुनाव को केवल वोटों के गणित और सियासी समीकरणों से नहीं तौला जा सकता। असली चुनौती यहां से शुरू होती है।

अतीत से बढ़कर: इस चुनाव की नौबत इसलिए आई क्योंकि सत्र के बीच में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया। देश के सामने ऐसे स्थिति कभी नहीं आई थी कि संसद का सत्र चल रहा हो और उपराष्ट्रपति अचानक पद छोड़ दें। उनका जाना कई सवाल खड़े कर गया। सीपी राधाकृष्णन को इस अतीत से आगे बढ़कर जिम्मेदारी निभानी है।

संतुलन की जरूरत: वह ऐसे वक्त में यह पद संभालने जा रहे हैं, जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की दीवार बहुत ऊंची हो चुकी है। इसका असर इस इलेक्शन में भी दिखा। दोनों तरफ से तल्खियां साफ नजर आईं और आरोप-प्रत्यारोप वैसे ही लगे, जैसे कि दूसरे चुनावों में लगते हैं। लेकिन, यह अब बीती बात है। कौन साथ रहा और कौन खिलाफ, यह भूलकर नए उपराष्ट्रपति से उम्मीद होगी संतुलन और निरपेक्षता की। उन्हें दोनों पक्षों को साथ लेकर चलना होगा।

संसदीय परंपराओं के अभिभावक-सीपी राधाकृष्णन के सामने एक और बड़ी चुनौती है - खुद को अराजनीतिक दिखाना। देश में उपराष्ट्रपति का पद राजनीतिक नहीं होता, लेकिन हाल-फिलहाल में इससे कई राजनीतिक विवाद जुड़ चुके हैं। धनखड़ के साथ विपक्ष की यह शिकायत आम रही कि वह उनको मौके नहीं देते। ऐसे में लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर सीपी राधाकृष्णन को भी परखा जाएगा।

सदन की गरिमा: उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और इस नाते सीपी राधाकृष्णन के सामने यह कठिन कार्य है कि वह कैसे उच्च सदन को उसकी गरिमा वापस दिलाते हैं। दुर्भाग्य से राज्यसभा से अब सार्थक बहसों से अधिक हंगामे और शोर-शराबे की खबरें आती हैं। इस मॉनसून सत्र में ही राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.8% रही। ज्यादातर वक्त सदन बाधित रहा और कई अहम मुद्दों पर बहस अधूरी रह गई। उच्च सदन को ज्यादा विचारवान माना जाता रहा है। उसकी यह खोई छवि कैसे लौटती है, नए उपराष्ट्रति पर निर्भर करता है।

सुविचार

शिक्षा सबसे सशक्त हथियार है जिससे दुनिया को बदला जा सकता है।

- नेल्सन मंडेला

निशाना

हर तरफ बाढ़ का मंजर है..!

कुमार अखिलेश

आज हर तरफ बाढ़ का
मंजर दिखाई दे रहा,
सैलाब का चारों ओर समंदर
दिखाई दे रहा,
प्रकृति आज अपना रौद्र
रूप दिखला रहीं ,
मानव ने की है जो भूलें
उनको बतला रही,
आज पेड़ो को बेपनाह
जो काटा जा रहा ,
पहाड़ों को काटकर उन्हें
पाटा जा रहा ,
जंगल दिनों दिन कम होते
जा रहे हैं,
कारखाने और शहर से
बढ़ते जा रहे हैं,
इसलिए आज प्राकृतिक
विपदाएं आ रहीं ,
सम्पूर्ण मानव जाति को यह सता
रहीं ,
अभी भी समय है हमको
संभलना होगा,
कुदरत के अनुसार ढलना और
चलना होगा,
वरना प्रकृति का अगला कदम
भयंकर होगा,
हर तरफ प्राकृतिक आपदाओं
का मंजर होगा।

आज का इतिहास

- 1509 एक अनुमान के मुताबिक कॉन्स्टेंटिनोपल में 10,000 लोगों की मौत इतनी मजबूत थी कि इसे जजमेंट डे के रूप में जाना जाता था।
- 1547 स्कॉटलैंड के लोथियन के मुसेलबर्ग के पास एंग्लो-स्कॉटिश वार्स-इंग्लिश फोर्सेस ने स्कॉटलैंड को पिंकी क्लेग के बीटल में हराया।
- 1570 दस जेसुइट मिशनरियों की एक पार्टी अल्पकालिक अजाकैन मिशन की स्थापना के लिए वर्जीनियापीनसुला पर उतरी।
- 1785 उत्तर यूरोपीय ऐतिहासिक राज्य प्रशिया ने अमेरिका के साथ व्यापारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1785 प्रशिया ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता किया।
- 1794 टेनेसी विश्वविद्यालय नॉक्सविले में स्थापित किया गया।
- 1813 1812-ऑलिवर के नेतृत्व में अमेरिकी सेनाओं के युद्ध हेजार्ड पेरीडाइफ ने ओहियो के पुट-इन-बे के पास लेक एरी पर अंग्रेजों को हराया।
- 1823 सिमोन बोलिवर पेरू के राष्ट्रपति के रूप में नामित हुए।

'द बंगाल फाइल्स': इतिहास का वो सच, जो हमें कभी नहीं बताया गया

■ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

'द बंगाल फाइल्स' महज एक फिल्म नहीं है, यह भारत के इतिहास की उस रक्तरंजित सच्चाई का आईना है जिसे दशकों तक छुपाया गया। यहां तक कि अध्ययन के स्तर पर कभी किसी स्कूल की पढ़ाई में तमाम इतिहास के किरादारों एवं घटनाओं के पठन-पाठन के बीच कभी यह सच नहीं बताया गया कि कैसे भारत का रक्त रंजित हिन्दू हत्याओं का इतिहास है। इसके उलट हमारे समाज को बार-बार यह भ्रम दिया गया कि हम एक शांतिपूर्ण, धर्मनिरपेक्ष और सभ्य देश में जी रहे हैं।

दरअसल, यह भ्रम इतना गहरा बैठा है कि पीढ़ियाँ यह मानकर बड़ी हुईं कि इतिहास मे जो कुछ हिंसा हुई वह तो आपसी दुश्मनी या सत्ता प्राप्ति के लिए था, फिर भी जो थोड़े-बहुत जख्म थे, वह भर चुके हैं। लेकिन यह फिल्म उस नकली पट्टी को हटाती है और दिखाती है कि घाव आज भी रिस रहा है। जब कोई दर्शक इसे देखता है तो उसकी प्रतिक्रिया मनोरंजन की नहीं बल्कि आत्ममंथन की होती है। वह तालियाँ नहीं बजाता, बल्कि चुप हो जाता है, क्योंकि स्क्रीन पर दिख रहा दर्द महज कल्पना नहीं बल्कि इतिहास का जीवित दस्तावेज है।

भारत का विभाजन केवल राजनीतिक समझौता नहीं था, यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा जबरन विस्थापन था। 1947 में लगभग एक करोड़ चौबीस लाख लोग अपनी जमीन-जायदाद छोड़कर पलायन के लिए मजबूर हुए। आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि दस से बीस लाख लोग इस विभाजन की हिंसा में मारे गए। लेकिन इन आंकड़ों के पीछे जो पीड़ा छिपी है, उसका कोई हिसाब नहीं। लाखों स्त्रियाँ अपमानित हुईं, हजारों बच्चों का भविष्य अंधेरे में डूब गया।

16 अगस्त की रात, ग्रेट कलकत्ता किलिंग: इतिहास में इस रक्तपात की जड़ें 16 अगस्त 1946 को बोई गईं, जब मुस्लिम लीग ने डायरेक्ट ऐक्शन डे घोषित किया। कोलकाता की सड़कों पर उस दिन से शुरू हुई हिंसा ने तीन दिनों में कम-से-कम 10,000 लोगों की जान ले ली। ब्रिटिश प्रशासन की रिपोर्टों और 'द स्टेट्समैन' जैसे अखबारों के समकालीन विवरणों से यह साफ है कि यह नरसंहार योजनाबद्ध था। लगभग डेढ़ लाख लोग विस्थापित हुए और हिंदू बहुल बस्तियाँ राख में बदल गईं। इसे ही इतिहास ने ग्रेट कलकत्ता किलिंग का नाम दिया।

अभी यह जख्म ताजा ही था कि अक्टूबर 1946 में नोआखाली में और भी भयावह घटनाएं घटीं। यह क्षेत्र आज बांग्लादेश का हिस्सा है। वहां पर सुनियोजित तरीके से हिंदुओं के गाँवों पर हमला किया गया। सैकड़ों गाँव जलाए गए, हजारों महिलाओं का जबरन धर्मांतरण किया गया और बलात्कार तो सामान्य वारदात बन गए। आँकड़े बताते हैं कि केवल कुछ ही हफ्तों में लगभग 1000 हिंदुओं की हत्या की गई और लगभग 70,000 से अधिक लोग बेघर हो गए। जिन स्त्रियों को जबरन मुसलमान बनाया गया, उनकी संख्या आज भी अज्ञात है क्योंकि पीड़ित परिवारों ने सामाजिक कलंक के डर से कभी अपनी कहानी दर्ज नहीं कराई। गाँधी जी वहाँ पहुँचे, उन्होंने उपवास किया, प्रवचन दिए, लेकिन पीड़ितों की पीड़ा पर कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया। वस्तुत: फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' इन घावों को याद कराती है और हमें बताती है कि इतिहास के ये अध्याय हमारे सामूहिक स्मृति से मिटा दिए गए।

पलायन का दर्द जो कभी नहीं भर सकता: यह सब एकबारगी घटनाएँ नहीं थीं। 1947 के विभाजन में पंजाब और बंगाल दोनों जगहों पर नदियाँ खून से लाल हो गईं। आधिकारिक रूप से दस से बीस लाख लोग मारे गए, लेकिन कई स्वतंत्र इतिहासकार मानते हैं कि यह संख्या तीस लाख तक भी हो सकती है। 1947 से 1951 के बीच लगभग 72 लाख हिंदू और सिख भारत आए जबकि उतने मुसलमान पाकिस्तान नहीं गए। यह आँकड़े बताते हैं कि पलायन कितना असमान और हिंसक था।

इतिहास की यह क्रूरता यहीं नहीं रुकी। 1971 में जब पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों पर 'ऑपरेशन सर्चलाइट' चलाया तो यह मानवता के इतिहास का एक और बड़ा नरसंहार बना। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुमान के अनुसार 20 से 30 लाख लोग मारे गए। इनमें बड़ी संख्या हिंदुओं की थी। लगभग 2 से 4 लाख महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ। करीब एक करोड़ लोग भारत में शरण लेने आए, जिनमें से अधिकांश बंगाल और त्रिपुरा में बसे। यह विस्थापन आज भी उन इलाकों के सामाजिक ढाँचे पर बोझ है। लेकिन हमारी किताबों में इसे एक युद्ध का परिणाम कहकर दबा दिया गया, जैसे यह कोई सामान्य घटना हो।

बंगाल की तरह कश्मीर में भी वही घटा है: इतिहास की इस लड़ी में 1990 का कश्मीरी हिंदुओं का पलायन भी शामिल है। आँकड़े बताते हैं कि उस समय घाटी में लगभग 3.5 लाख हिंदू रहते थे। देखते-देखते आतंक और हिंसा के चलते 95 प्रतिशत लोग अपने घर छोड़कर भागे। सरकारी आँकड़े

कहते हैं कि लगभग 1000 लोग मारे गए, लेकिन कश्मीरी पंडित संगठनों का दावा है कि वास्तविक संख्या कई गुना अधिक थी। महिलाओं के साथ बलात्कार, बच्चों की हत्याएँ और भयावह धमकियाँ इस पलायन के पीछे थीं। यह सब कुछ उसी सिलसिले का हिस्सा था जो 1946 में बंगाल से शुरू हुआ था। 'द बंगाल फाइल्स' इस पूरे सिलसिले को जोड़ती है। यह कहती है कि कट्टरपंथ अगर आपके आसपास पनप रहा है, तो यह मत सोचिए कि यह केवल किसी और की समस्या है। परसों बंगाल की बारी थी, कल कश्मीर की थी और कल को शायद आपकी बारी हो। यही संदेश इस फिल्म को महज मनोरंजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक चेतावनी बनाता है।

भारत माता बार-बार लहूलुहान हो रही: फिल्म का केंद्रीय पात्र भारती बनर्जी दरअसल उस आहत भारतमाता का प्रतीक है जो बार-बार लहूलुहान होती रही। पल्लवी जोशी का अभिनय इसे जीवंत बना देता है। दर्शक यह महसूस करता है कि यह केवल एक स्त्री की नहीं, बल्कि एक सभ्यता की पीड़ा है। फिल्म में गोपाल पाठा जैसे भूले हुए नायकों का उल्लेख है, जिनका नाम हमारे बच्चों ने कभी नहीं सुना। स्कूलों की किताबों में यह जगह ही नहीं पा सके। क्यों? क्योंकि जिन इतिहासकारों ने किताबें लिखीं, उन्होंने वामपंथी दृष्टिकोण से प्रेरित होकर एकपक्षीय आख्यान गढ़ा। फिल्म के संवाद भी आँकड़ों की तरह कठोर और सच्चाई से भरे हैं। जब एक अफसर अपने वरिष्ठ से पूछता है कि क्यों हर अपराध को हिंदू-मुस्लिम का रंग देकर दबा दिया जाता है? तो यह सवाल केवल इतिहास का नहीं, बल्कि आज का भी है। हम हर समस्या को सांप्रदायिक कहकर टाल देते हैं और असली मुद्दे को छुपा देते हैं। यही कारण है कि यह फिल्म हमें असहज करती है। यह हमारी उस नकली आत्म-छवि को तोड़ देती है जिसमें हम मानते हैं कि सब कुछ ठीक है। 'द बंगाल फाइल्स' यही सवाल पूछती है। यह याद दिलाती है कि भारत का विभाजन केवल भौगोलिक नहीं था, यह सभ्यता और अस्मिता पर किया गया घाव था। गाँधी जी की नीतियों से लेकर कांग्रेस नेताओं की अधीरता तक, और वामपंथी इतिहासकारों की चुप्पी से लेकर मीडिया की अनदेखी तक, हर मोड़ पर हिंदुओं के नरसंहार को दबाने की कोशिश हुई। फिल्म यह भी दिखाती है कि यह हिंसा कोई एक बार की घटना नहीं, यह आज भी लगातार अनवरत किसी न किसी रूप में जारी है।

जरूरी है भारत को अपने अतीत के सच जानना: यह भी याद रखना होगा कि दुनिया में जब-जब सच सामने आया है, समाज और संवेदनशील हुआ है। जर्मनी ने यहूदी नरसंहार की सच्चाई स्वीकार की, तभी वह आत्ममंथन कर सका। अमेरिका ने अश्वेतों और मूल निवासियों पर हुए अत्याचारों को स्वीकार किया, तभी सुधार संभव हुआ। भारत अगर अपने अतीत का सच नहीं देखेगा, तो वह भविष्य की त्रासदियों से कैसे बचेगा?

फिल्म हमें अतीत को वर्तमान बना घटनाओं के बीचोबीच खड़ा करती है: 'द बंगाल फाइल्स' की सिनेमैटोग्राफी और संगीत दर्शक को उसी समय में खींच ले जाते हैं। जब बैकग्राउंड में पुराने बांग्ला गीत बजते हैं और दृश्य में जली हुई बस्तियाँ दिखती हैं तो लगता है कि हम इतिहास के पन्ने नहीं, बल्कि उस समय के बीचोबीच खड़े हैं। अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार जैसे कलाकारों का अभिनय इस संदेश को और गहरा बना देता है। लेकिन इस फिल्म की असली ताकत यह है कि यह केवल इतिहास की बात नहीं करती। यह वर्तमान और भविष्य को भी जोड़ती है। यह कहती है कि अगर समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ, तो वही त्रासदी बार-बार लौटेगी। यह हमें चेतावनी देती है कि कट्टरपंथ को अनदेखा करना आत्मघाती है। राजेश खेरा, नमाशी चक्रवर्ती, मोहन कपूर, शाश्वत चटर्जी, सिमरत कौर समेत सभी कलाकारों ने अपने रोल के अनुसार बहुत अच्छा काम किया है, फिल्म के सभी पात्र अंत तक अपने किरदार में बने रहे हैं। और हर कोई किरदार आज की पीढ़ी को यह साफ संकेत और संदेश दे रहा है कि अब करना क्या है।

अब विचार हमें ही करना है; हम कौन सा भारत अपनी पीढ़ी को सौंपने जा रहे हैं: आज हमें यह तय करना है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कौन-सा भारत सौंपेंगे। क्या हम उन्हें वही झूठ बताएँगे कि सब कुछ शांतिपूर्ण है? या हम उन्हें सच बताएँगे ताकि वे सजग रहें? आँकड़े साफ कहते हैं कि लाखों लोग मारे गए, करोड़ों विस्थापित हुए और असंख्य स्त्रियाँ अपमानित हुईं। यह सब केवल इसलिए हुआ क्योंकि समाज समय रहते सचेत नहीं हुआ। 'द बंगाल फाइल्स' हमें यही बताती है कि यह महज एक फिल्म नहीं, इससे कहीं आगे इतिहास की जलती हुई चिंगारी है। यह हमें झकझोरती है, असहज करती है और चेतावनी देती है। यह कहती है कि अगर हमने समय रहते कट्टरपंथ का निर्मूलन नहीं किया, तो अगली बारी हमारी ही होगी। यही इस फिल्म का असली सबक है और यही इसकी विरासत भी है। यह हमें बताती है कि अगर हम अपनी आँखें मूँदे रहे, तो वही त्रासदी दोहराई जाएगी। समाज को चाहिए कि वह इस फिल्म को केवल एक कहानी न समझे। इसे चेतावनी की तरह देखे, सबक की तरह अपनाए।

-साभार: लेखक राष्ट्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य एवं पत्रकार हैं)

अंतिम पंक्ति में मोदी..., कार्यकर्ता केंद्रित सियासत के नए सौपान की शुरुआत!

■ लिमटी खरे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सांसदों की कार्यशाला में सबसे पीछे की पंक्ति में एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह बैठना, महज एक तस्वीर नहीं, बल्कि एक गहरा राजनीतिक संदेश है। यह दृश्य इस बात को रेखांकित करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है कि भाजपा में सर्वोच्च पद पर बैठा व्यक्ति भी खुद को पार्टी के विशाल संगठन का एक हिस्सा मानता है, न कि उससे अलग। यह एक ऐसी संस्कृति का परिचायक है जहाँ पद से अधिक कार्यकर्ता का महत्व है।

सियासी बियावान में अक्सर जैसे ही सत्ता की ऊँचाइयों पर पहुँचने वाले नेताओं के द्वारा जनता और संगठन के सामान्य कार्यकर्ताओं से दूरी बना ली जाती है, वहीं, रविवार को संसद परिसर के जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित भाजपा सांसदों की कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यवहार इस प्रवृत्ति का उलट प्रमाण बना। प्रधानमंत्री न केवल कार्यशाला में कई घंटों तक मौजूद रहे, बल्कि आखिरी पंक्ति में एक सामान्य कार्यकर्ता की तरह बैठकर उन्होंने यह स्पष्ट संकेत दिया कि भाजपा में पद से अधिक संगठनात्मक संस्कृति और अनुशासन महत्वपूर्ण है। गोरखपुर के सांसद रवि किशन द्वारा साझा की गई तस्वीर ने इस संदेश को और मजबूती दी कि यह भाजपा की ताकत है कि यहां हर कोई कार्यकर्ता है। यह तस्वीर और यह भावनात्मक संदेश आने वाले समय में पार्टी की आंतरिक राजनीति और जनसंपर्क के लिए प्रेरक नारा बन सकता है।

देखा जाए तो आमतौर पर, उच्च पदों पर बैठे नेता अग्रिम पंक्ति में बैठकर अपने रुतबे का प्रदर्शन करते हैं। लेकिन नरेंद्र मोदी ने इस परिपाटी को तोड़कर यह साबित किया कि उनका नेतृत्व पद-केंद्रित नहीं, बल्कि कार्यकर्ता-केंद्रित है। यह दिखाता है कि वे सिर्फ दिशा-निर्देश देने वाले प्रमुख नहीं, बल्कि अपने साथियों के साथ जमीन पर बैठकर संवाद करने वाले एक मार्गदर्शक हैं। गोरखपुर के सांसद रवि किशन की टिप्पणी, यह भाजपा की ताकत है कि यहां हर कोई कार्यकर्ता है, इसी भावना को पुष्ट करती है। यह एक ऐसा नेतृत्व है जो अपने लोगों को सशक्त करता है और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

यह कार्यशाला सिर्फ जीएसटी सुधारों की सराहना तक सीमित नहीं थी। प्रधानमंत्री ने खुद सांसदों के साथ कई घंटों तक बैठकर उनके विचार सुने, सुझाव दिए और उन्हें तैयार रहने का आग्रह किया। यह संवाद एकतरफा नहीं था, बल्कि समावेशी था। उन्होंने सांसदों को बहस में सक्रिय भाग लेने, रिपोर्ट पढ़ने और सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुँचाने का आह्वान किया। यह दिखाता है कि मोदी अपने सांसदों को सिर्फ मतदान करने वाले सदस्य नहीं, बल्कि सरकार की नीतियों को आम जनता के बीच ले जाने वाले प्रभावी वाहक के रूप में देखते हैं। दो दिवसीय इस कार्यशाला में जीएसटी सुधारों से लेकर उपराष्ट्रपति चुनाव और सरकार की सफलताओं पर चर्चा, यह सब एक मजबूत और संगठित पार्टी की पहचान है। यह पार्टी सिर्फ चुनाव जीतने पर ध्यान केंद्रित नहीं करती, बल्कि अपने सदस्यों को लगातार प्रशिक्षित और सूचित रखती है। यह कार्यशाला पार्टी के भीतर ज्ञान के आदान-प्रदान, सामूहिक लक्ष्यों के निर्धारण और एक साझा दृष्टि को मजबूत करने का एक मंच है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने सांसदों से कहा कि वे चर्चाओं में सक्रिय भूमिका निभाएं, रिपोर्टों का गहन अध्ययन करें और हर समय तैयारी के साथ सदन में मौजूद रहें। यह संदेश स्पष्ट है कि मोदी केवल संख्या बल से संतुष्ट नहीं हैं, बल्कि गुणवत्ता और भागीदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री का यह कदम दिखाता है कि भाजपा आने वाले महीनों में केवल सत्ता के प्रदर्शन पर नहीं, बल्कि संगठनात्मक मजबूती, अनुशासन और नीतिगत एकरूपता पर भी जोर दे रही है। मोदी का आखिरी पंक्ति में बैठना, सत्ता के शिखर से जमीन तक जुड़ने का प्रतीक है, और यह संदेश न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं, बल्कि पूरे राजनीतिक परिदृश्य को गया है, कि नेतृत्व का असली बल, जनता और संगठन से सीधा जुड़ाव है।

मोदी का यह कदम सिर्फ एक फोटो के जरिए सुर्खियां बटोरना नहीं माना जा सकता है, बल्कि भाजपा की संगठनात्मक शक्ति और उसके नेता के विनम्र दृष्टिकोण का प्रतीक है। यह दिखाता है कि एक मजबूत पार्टी की नींव शीर्ष पर बैठे व्यक्ति के रुतबे से नहीं, बल्कि सबसे अंतिम पंक्ति में बैठे कार्यकर्ता के सम्मान से रखी जाती है।

-साभार

समस्त मंगलों का मूल है 15 दिवसीय श्राद्ध पक्ष, सभी बाधाओं से छुटकारा

■ डॉ राघवेंद्र शर्मा

अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का भाव रखने वाले वंशजों के लिए यह एक शुभ समाचार ही है, कि आश्विन माह कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा के साथ ही पितृपक्ष की शुरुआत होने जा रही है। जाहिर है प्रतिपदा से लेकर सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या तक पूरे 15 दिन का यह महोत्सव आस्था का महापर्व है। कुछ लोग इस पखवाड़े को अशुभ बताते हैं, इस तर्क के साथ कि इन दिनों कोई शुभ कार्य करना ही नहीं चाहिए अथवा शुभ कार्य नहीं किया जाता। यहां एक बात जानने योग्य है, वह यह कि किसी भी ग्रंथ में यह नहीं लिखा है कि कनागतों में शुभ कार्य वर्जित हैं या फिर यह पक्ष अशुभकारी है। बल्कि वर्तमान पीढ़ी से अपेक्षा यह की गई है कि कम से कम इन 15 दिनों तक तो हम अपने पितरों के प्रति समर्पित बने रहें । यही वह विचार है जो स्थापित करता है कि काम धंधे और अन्य लाभ हानि के प्रसंग तो साल भर चलते ही रहेंगे। लेकिन पितरों के हिस्से में तो साल के केवल 15 दिन ही आते हैं। अत: इन दिनों उनके प्रति समर्पित रहें ।यही वजह है कि अन्य कार्यों की अपेक्षा आस्थावान लोग श्राद्ध पक्ष में पितरों के पिंडदान, तर्पण, दान पुण्य आदि कार्यों में संलग्न रहना ही उपयुक्त समझते हैं। यह इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि हमारे धार्मिक ग्रंथो के अनुसार इन 15 दिनों तक पितरों को मृत्यु लोक में आवागमन की छूट रहती है। यह इस ईश्वरीय सुविधा का लाभ उठाते हुए अपने वंशजों के बीच पहुंचते हैं तथा अपेक्षा करते हैं कि वह पितरों के निमित्त दान पुण्य करें, भूखों को भोजन कराएं, पिंडदान एवं तर्पण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दें। यह अपेक्षा इसलिए भी रहती है, क्योंकि इस दौरान वंशजों द्वारा जो त्याग किया जाता है, वह पितरों को आगामी ऊर्जा के रूप में उपलब्ध बना रहता है। इस प्रकार वे पूर्वज जिन्हें कोई देह नहीं मिली है और नरक, स्वर्ग, मृत्यु लोक से विलग हैं तथा पितृ लोक में स्थान पाए हुए हैं। वे साल भर संतुष्ट रहते हैं। ऐसा होने पर पितरों का आशीर्वाद वंशजों को प्राप्त होता है। फल स्वरुप वर्तमान पीढ़ी के सभी प्रकार के पितृ दोष नष्ट हो जाते हैं।

इसके जो परिणाम देखने को मिलते हैं वह इस सत्य को प्रतिपादित भी करते हैं कि पूर्वजों को नियमित पानी देने वाले वंशज दैविक एवं पैशाचिक बाधाओं से उबरने लगे हैं। हिंदू धर्म में एक भ्रामक जानकारी यह भी है कि पितरों का श्राद्ध कर्म केवल पुरुष वंशजों द्वारा ही किया जा सकता है। यह धारणा पूरी तरह से गलत है। इसका प्रमाण त्रेता युग में सीता जी द्वारा अपने पिता राजा श्री शीलध्वज यानि कि जनक जी का पिंडदान करने के प्रसंग से मिलता है। ग्रंथ बताते हैं कि धर्म ने पुत्री सीता द्वारा दिए गए पिंडदान को इतना महत्व दिया कि स्वयं राजा जनक को पिंड प्राप्त करने सीता जी के समक्ष सशरीर उपस्थित होना पड़ गया। श्राद्ध एवं पितृ पूजन कितना जरूरी है यह भी जानने योग्य है। दानवीर कर्ण को मृत्यु उपरांत मोक्ष की प्राप्ति केवल इसलिए नहीं हुई, क्योंकि उन्होंने कभी भी अपने पूर्वजों का तर्पण किया ही नहीं था। किंतु पुण्यों का प्रारब्ध अर्जित था, इसलिए पुन: मृत्यु लोक में आने की पात्रता मिली। उन्होंने अपने श्रम से अर्जित धन-धान्य से पूर्वजों के नाम पर दान पुण्य किए।

-साभार: लेखक-स्वतंत्र पत्रकार है

आक्रोश: किसानों ने बीमा कंपनी और प्रशासन के खिलाफ की जोरदार नारेबाजी

बर्बाद फसल लेकर तहसील पहुंचे किसान बोले- 2 दिन में सर्वे शुरू नहीं हुआ तो करेंगे चक्काजाम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अतिवृष्टि से बर्बाद हुई अपनी फसलों का सर्वे और मुआवजा दिलवाने की मांग को लेकर किसानों ने तहसील कार्यालय में प्रभावी प्रदर्शन किया। इस बार क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण खरीफ की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। सावन के महीने में कई खेतों में एक पखवाड़े तक पानी भर रहा था। इस वजह से इन खेतों में खड़ी सोयाबीन, मक्का और उड़द की फसल गल गई थी। बावजूद इसके प्रशासन द्वारा अभी तक न तो सर्वे शुरू करवाया गया और न ही किसी प्रकार के मुआवजे का एलान किया गया है।

सर्वे के इंतजार से परेशान किसानों ने किसान नेता सुरेन्द्र रघुवंशी के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन कर दिया। दोपहर में करीब 12.30 बजे तहसील कार्यालय में पहुंचे किसानों के हाथों में पीली पड़ चुकी फसल के पौधे थे। वे सभी बीमा कंपनी और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय की जमीन पर ही बैठ गए और नारेबाजी और तेज कर दी। इसी बीच तहसीलदार संजय चौरसिया बाहर आए तो किसानों ने उन्हें यह कहकर वापस लौटा दिया कि आप नवागत एसडीएम को भेजिए। हम उन्हें ही समस्या से अवगत करवाएंगे। इसके बाद किसानों की समस्या सुनने के लिए एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा बाहर आए।

किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन भी सौंपा।

2500 रुपए प्रीमियम लेने वाली बीमा कंपनी 50-60 रुपए क्लेम दे रही

किसानों का कहना था कि बीमा कंपनी हमारे साथ भद्दा मजाक कर रही है। कंपनी दोनों फसलों पर हमसे 2000 और 2500 रूपए प्रीमियम वसूलती है। जो सीधे हमारे खातों में से ही काट लिया जाता है। इसी कंपनी ने इस बार किसानों के खातों में 50 और 60 रूपए का बीमा डाला गया है। हमें किसी भी तरह की पालिसी भी नहीं दी जाती। फोन लगाने पर 24 अंको का पॉलिसी नंबर पूछा जाता है। पूरी बात करने से पहले ही हमारा फोन काट दिया जाता है। किसानों के खून-पसीने की कमाई को हड़पने वाली बीमा कंपनी पर तुरंत कार्रवाई होना चाहिए।

जिसमें उन्होंने अतिवृष्टि से बर्बाद हुई सोयाबीन, उड़द और मक्का की फसल का सर्वे तुरंत शुरू करवाने की मांग की है। इसके साथ ही किसानों ने किसानों का रूका हुआ फसल बीमा तत्काल प्रदान करने एवं क्षेत्र के किसानों को उनके रकबे के अनुसार डीएपी और यूरिया प्रदान किया जाए। इस दौरान किसानों ने 2 दिन के भीतर बर्बाद फसलों का सर्वे शुरू नहीं होने पर चक्काजाम करने की चेतावनी भी दी है। इस दौरान कांग्रेस नेता अयूब अली राना, इब्राहिम खान, दिमानसिंह, राजेन्द्र कुमार, नथनसिंह कुशवाह और चैनसिंह के साथ ही अनेक लोग मौजूद थे।

मुनीम से लूट का प्रयास, मारपीट कर भागे

गंजबासौदा। कृषि मंडी व्यापारी के मुनीम के साथ लुटेरों ने रुपयों से भरा बैग लूटने का प्रयास किया। लेकिन लूट में सफल नहीं हो पाए तो मुनीम के साथ मारपीट कर भाग गए। जानकारी के अनुसार हथौड़ा गांव के समीप पुलिया के पास दो लुटेरे पहले से घात लगाए बैठे थे। लुटेरों ने यश ट्रेडिंग कंपनी के मुनीम अमित रघुवंशी के साथ लूट की मंशा से जमकर मारपीट की और मुनीम से रुपयों से भरा बैग छुड़ाने की कोशिश की लेकिन मुनीम के हौसले के आगे लुटेरों के हौसले पस्त हो गए और वह मुंशी के सिर पर लोहे की रॉड से हमला कर भाग खड़े हुए। सड़क पर मुनीम को खून से लथपथ देखा तो लोग शहर थाने लेकर आए। यश ट्रेडिंग कंपनी के मुनीम अमित रघुवंशी ने बताया कि वह दोपहर करीब 1 बजे के आसपास एचडीएफसी बैंक से 15 लाख रुपए निकाल कर कृषकों के भुगतान के लिए ले जा रहा था तभी हथौड़ा के पहले पुलिया के पास दो युवकों ने हमला बोल दिया। हमले से सिर में गहरी आने से खून भी बहुत वह गया। जिसे अस्पताल लाया गया। उनके सिर में 6 टांके आए हैं गौरतलब है कि साहसी मुनीम दो लुटेरों से अकेला लड़ता रहा, जूझता रहा, पिटता रहा, खून से लथपथ हो गया लेकिन उसने पैसों से भरा बैग नहीं छोड़ा।

2047 का भारत कैसा हो, बच्चों ने रखा विजन

इटारसी। कविवर पं.भवानी प्रसाद मिश्र ऑडिटोरियम में आज पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक नर्मदापुरम डॉ.सीतासरन शर्मा के मार्गदर्शन एवं नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे की अध्यक्षता में संवाद 2025, 2047 का भारत कैसा हो और इसमें हमारी भूमिका का आयोजन किया। संवाद 2025 कार्यक्रम में शहर के दो स्कूल सेंट जोसेफ कॉन्वेंट और एमजीएम स्कूल के करीब सौ बच्चे आए और एक दर्जन से अधिक बच्चों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। बच्चों ने एक नागरिक का परिचय देते हुए आत्मविश्वास से 2047 के भारत पर अपना विजन पेश किया। बच्चों ने कृषि, रक्षा, शिक्षा, तकनीकि, रोजगार, जल, सोलर एनर्जी, बराबरी का हक, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण सुधार जैसे मुद्दों पर भार को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। विधायक डॉ.सीतासरन शर्मा ने सभी बच्चों को पूरी गंभीरता से सुना और उनके विचार एक डायरी में दर्ज किये और अपने उद्बोधन में सभी बच्चों के विचारों को देश और राज्य के शिक्षा मंत्रियों तक पहुंचाने का वादा किया। 2047 के भारत का जो सपना आपने देखा है, उसे पूरा भी आपको ही करना है, क्योंकि आप ही देश का भविष्य हैं। संचालन शिक्षक चंद्रेश मालवीय ने किया।

हाईकोर्ट के निर्देश पर जंगली हाथी को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व भेजा

मंडला, दोपहर मेट्रो

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद कान्हा टाइगर रिजर्व से एक जंगली हाथी को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के लिए रवाना किया गया जंगली हाथी मंडला। मंडला में हाईकोर्ट के निर्देश के बाद कान्हा टाइगर रिजर्व से एक जंगली हाथी को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के लिए रवाना किया गया। यह हाथी पिछले 18 महीने से निगरानी में था। फरवरी 2024 में बांधवगढ़ और अनूपपुर के वन क्षेत्र में दो जंगली हाथियों ने तीन लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद दोनों हाथियों को पकड़ा गया। एक हाथी को बांधवगढ़ में रखा गया। दूसरे घायल हाथी को कान्हा टाइगर रिजर्व की वेटनरी केअर फेसिलिटी में रखा गया था। हाथियों के व्यवहार की जांच के लिए एक समिति बनाई गई। समिति की सिफारिश पर बांधवगढ़ के हाथी को नवंबर 2024 में जंगल में छोड़ दिया गया। एलिफेंट एडवाइजरी कमेटी ने कान्हा में रखे हाथी को स्वस्थ पाया। जबलपुर हाईकोर्ट ने भी इसे जंगल में छोड़ने का आदेश दिया था। कान्हा की टीम ने तीन हाथियों की मदद से इस हाथी को वाहन में लोड किया। वेटनरी डॉक्टर और वन अधिकारी भी मौजूद रहे।

जल भराव की समस्या पर व्यापारियों से चर्चा कर दिया समाधान करने का आश्वासन

विधायक प्रतिनिधि ने बाजार का निरीक्षण कर जानी समस्याएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बाजार क्षेत्र का नपा में विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव एवं राजस्व सभापति प्रतिनिधि और भाजपा नेता हंस राय द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय व्यापारीगणों से चर्चा कर जल्द से जल्द जल भराव की समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए नपा के अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने नपा के अधिकारी से कहा कि इस समस्या का स्थाई हल निकालें। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि पूनम मेषकर, अजय सैनी, कुलदीप राठौर सहित व्यापारीगण उपस्थित रहे। स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशों के पालन में जल भराव की समस्या से निपटने के लिए नपा की टीम अलसुबह से ही युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है।

तिवारी ने बताया कि बाजार क्षेत्र में चेंबर के अंदर फर्सी टूट कर गिर गई है साथ ही जल के साथ आने वाली मिट्टी, गाद और कचरा भी जल निकासी की समस्या उत्पन्न कर रहा है। पंप लगाकर चेंबर का पानी खाली किया जा रहा है। साथ ही वैक्यूम एमपीटीआर की भी मदद ली जा रही है। पानी खाली हो जाने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अब नगरपालिका में ही जमा होगा टैक्स

इटारसी। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ऋतु मेहरा ने आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली लोक अदालत के संबंध में राजस्व निरीक्षक और सहायक राजस्व निरीक्षक को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोक अदालत में कर वसूली को पूरी गंभीरता से लिया जाए और अधिक से अधिक राजस्व एकत्र किया जाए। इस बार की लोक अदालत में संपत्ति कर की वसूली को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बकाया करदाताओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें और उन्हें लोक अदालत में उपस्थित होकर अपना बकाया जमा करने के लिए प्रेरित करें। यह पहली बार है कि लोक अदालत के माध्यम से टैक्स जमा करने की सुविधा नगर पालिका कार्यालय में ही उपलब्ध होगी। सीएमओ श्रीमती ऋतु मेहरा के मार्गदर्शन एवं राजस्व निरीक्षक गजेंद्र पाण्डेय के नेतृत्व में यह नई व्यवस्था की जा रही है, क्योंकि अब टैक्स जमा करने की सुविधा ऑनलाइन हो गई है और कोर्ट परिसर में इंटरनेट व अन्य सुविधाएं जुटाना मुश्किल हो रहा था। इस नई व्यवस्था से करदाताओं को भी आसानी होगी।

पानी की मांग को ग्रामीणों ने सड़क पर बर्तन रखकर किया विरोध-प्रदर्शन, लगा लंबा जाम

मंडला, दोपहर मेट्रो

पेयजल संकट गहराता जा रहा है। मोहनिया-पटपरा गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने मंडला-डिंडोरी मार्ग पर प्रदर्शन किया। उन्होंने एनएच 543 पर बर्तन रखकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान रोड पर करीब 1-1 किमी का जाम लगा था। मौके पर मंडला कोतवाली और पोंडी चौकी से करीब 30-35 का पुलिस बल मौजूद रहे।

प्रदर्शनकारियों ने पीएचई विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने राजमार्ग पर जाम लगाकर प्रशासन का ध्यान अपनी ओर खींचा। ग्रामीणों का कहना है कि वे एक साल से पानी की समस्या झेल रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रशासन से मदद मांगी लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं मिला। ग्रामीणों की एक अन्य प्रमुख मांग स्थानीय अस्पताल में डॉक्टर की नियुक्ति है। उन्होंने पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री के खिलाफ भी विरोध जताया। जानकारी मिलते ही मौके पर एसडीएम सोनल सिडाम, एसडीओपी पियूष मिश्रा, सीएमएचओ, पीएचई अधिकारी मनोज भास्कर सहित अन्य अधिकारी पहुंचे। सात दिन में समस्या समाधान का आश्वासन दिया है। जिसके बाद ग्रामीणों ने करीब 4 घंटे चला प्रदर्शन समाप्त किया।

रामलीला का मंचन 17 से

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

श्रीरामलीला महोत्सव 17 सितम्बर से सेठानीघाट पर प्रारंभ होगा। श्रीरामलीला के संयोजक प्रशांत मुन्नू दुबे ने जानकारी में बताया कि महोत्सव का यह 145 वां वर्ष है जिसमें श्रीराम,जानकी, लक्ष्मण, भरत और शत्रुसप के पात्रों द्वारा दोपहर में बड़े श्रीराम मंदिर में मुकुट पूजन और अनुष्ठान से श्रीरामलीला महोत्सव की शुरुआत होगी। रात्रि ठीक 8 बजे से सेठानीघाट पर श्रीरामलीला का मंचन प्रारंभ होगा। 17 सितंबर को श्रीशंकर विवाह और नारद मोह की लीला का आकर्षक मंचन होगा, 18 सितंबर को मनुचरित श्रीराम जन्म,19 को ताड़का वध, 20 को नगर दर्शन पुष्पवाटिका, 21 को धनुषयज्ञ लक्ष्मण-परशुराम संवाद, 22 को अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को भगवान श्रीराम की बारात सेठानीघाट से सायंकाल ठीक 5 बजे प्रमुख मार्गों से निकलेगी, 23 को श्रीरामवनवास, 24 को दशरथ मरण केवट प्रसंग, 25 को भरत-मिलाप, 26 सितंबर को सीताहरण, 27 को श्रीराम-सुग्रीव मैत्री, 28 को लंका दहन की लीलाओं का मंचन सेठानी घाट पर होगा, 29 को श्रीराम-रावण के युद्ध, ,1 अक्टूबर को मेघनाद वध, 2 अक्टूबर को रावण वध की लीलाओं का मैदानी मंचन होगा, 3 को उत्तरभरत मिलाप सेठानी पर होगा।

दो महीने से वेतन नहीं मिलने से परेशान

सिरोंज। दो महीने से मानदेय नहीं मिलने से परेशान ग्राम पंचायतों के रोजगार सहायकों ने सीईओ आशीष अग्रवाल को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में रोजगार सहायकों ने बताया कि रोजगार सहायकों को बीते 2 महीने से मानदेय प्रदान नहीं किया गया है। इस कारण उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मानदेय प्रदान करने की पुरानी पद्धति से ही मानदेय प्रदान करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने रोजगार सहायकों को सचिवीय प्रभारी प्रदान करने की मांग भी की है। इस दौरान बड़ी संख्या में रोजगार सहायक मौजूद थे।

मेट्रो एंकर 69वीं राज्य स्तरीय अंडर 19 शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में अधिकांश मुकाबले रहे एकतरफा

सुबह तेज धूप और दोपहर से रिमझिम के बीच चली जीत-हार की जंग

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सुबह तेज धूप और दोपहर से शुरू हुई रिमझिम बारिश के बीच 69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में जीत-हार की जंग चलती रही। बालक-बालिका वर्ग में दिनभर में 15 मुकाबले हुए। पहला बालक वर्ग में पहला मुकाबला सागर और जबलपुर के बीच हुआ। जिसे सागर 4-1 से जीता। शहडोल और ग्वालियर के बीच हुए दूसरे मुकाबले में उज्जैन ने जनजातीय विभाग को 2-1 से पराजित कर दिया। रीवा और भोपाल के बीच हुए तीसरे मैच में कड़ा संघर्ष देखने को मिला। यह मैच 1-1 पर जाकर थम गया।

चौथे मैच में शहडोल ने ग्वालियर को 2-0 से हरा दिया। बारिश के बीच हुए दिन के पांचवे और छठा मैच पूरी तरह एकतरफा रहे। इनमें रीवा ने इन्दौर को 5-0 से और नर्मदापुरम ने जबलपुर को 5-0 से पराजित कर दिया। वहीं सातवें मुकाबले में जनजातीय विभाग ने सागर को 2-1 से हरा दिया। आयोजन समिति के सदस्य खेल शिक्षक शान मियां ने बताया कि प्रतियोगिता में बुधवार को भी सुबह 7 बजे से ही मैच का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जो शाम तक चलेगा। इस बीच दोपहर में लंच ब्रेक होगा।

छात्रावास ग्राउंड में हुए बालिका वर्ग के मैच: प्रतियोगिता के बालिका वर्ग के मैच छात्रावास ग्राउंड में हुए। पहले मैच में ग्वालियर ने एकतरफा जीत हासिल करते हुए नर्मदापुरम को 4-0 से पराजित कर दिया। दूसरा मुकाबला भी एकतरफा हुआ और भोपाल ने जबलपुर पर 5-1 से जीत हासिल की। शहडोल और रीवा के बीच हुआ तीसरा मुकाबला बेनतीजा रहा। चौथे मैच में जनजातीय विभाग ने सागर को 2-0 से हरा दिया। पांचवे मुकाबले में इन्दौर ने रीवा को 2-0 से हराया। रोमांच से भरपूर नर्मदापुरम और उज्जैन का मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। सातवे मैच में भोपाल ने ग्वालियर को 5-0 से और आठवें मुकाबले में इन्दौर ने सागर को 5-0 से पराजित कर एकतरफा जीत हासिल की।

आज होने वाले मैच

आयोजन समिति के सदस्य क्रीड़ा समन्वयक केशव शर्मा ने बताया कि बुधवार को बालिका वर्ग में जबलपुर और उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम्, उज्जैन और ग्वालियर, जबलपुर और नर्मदापुरम, सागर और रीवा, जनजातीय विभाग और इन्दौर, शहडोल और सागर और जनजातीय विभाग और रीवा के मैच होंगे। इसी तरह बालक वर्ग में उज्जैन और जबलपुर, सागर और नर्मदापुरम, शहडोल और रीवा, इन्दौर और भोपाल, रीवा और ग्वालियर, शहडोल और भोपाल तथा ग्वालियर और इन्दौर के बीच मैच होंगे।

वाहन चैकिंग: 14 चालकों से वसूले 13100 रुपए जुर्माना

सिरोंज। यातायात पुलिस ने मंगलवार को आम जनता और ऑटो चालकों को राहवीर और कैश लैस योजना से जुड़ी जानकारियां प्रदान की। इस दौरान पुलिस ने वाहन चेकिंग कर 14 वाहन चालकों से 13100 रूपए की वसूली भी की। इस दौरान पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए वाहनों की सघन जांच की। जांच के दौरान दस्तावेजों में अनियमितता, बिना हेलमेट, तीन सवारी, नंबर प्लेट और ओवरलोडिंग जैसी कमियां मिलने पर चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। शुल्क वसूलने के बाद सभी चालकों को सख्त हिदायत भी यातायात पुलिस ने दी। यातायात प्रभारी रितेश वागेला ने बताया कि अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना, सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम करना और जनहानि को न्यूनतम करना है।

स्मार्टसिटी के तहत हो रहे कार्यों को लेकर कलेक्टर और निगम कमिश्नर के बीच विवाद

शहर में विकास की रफ्तार रोक रहा है प्रशासन के अफसरों का आपसी टकराव

शशिकांत टिमोले, सागर

सागर में जिस तरह से विकास कार्यों का सिलसिला जारी है, ये विकास कार्य जिला कलेक्टर और नगर निगम कमिश्नर के बीच टकराव का बड़ा कारण बन बैठे हैं। दोनों अफसरों के बीच इस टकराव की शिकवे शिकायतें भोपाल में बैठे आला अधिकारियों के कानों तक भी पहुंच गई हैं। दोनों अफसरों के बीच शुरू हुए शीत युद्ध के चलते नगर विकास के कार्य लेटलतीफी की भेंट चढ़ रहे हैं। दरअसल पूरा मामला स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे कार्यों से जुड़ा है। स्मार्ट सिटी के समूचे कारोबार की कमान निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री के हाथों में हैं। वे जैसा चाहते हैं वैसा निर्णय लेते हैं। इसी बात को लेकर कलेक्टर संदीप जीआर की नाराजगी कमिश्नर के प्रति रही है।

जानकारी अनुसार कलेक्टर पिछले दिनों स्मार्ट सिटी के कार्यों के लिए एक ठेकेदार को कार्य देने का फैसला किया था, लेकिन स्मार्ट सिटी के निदेशक और निगमायुक्त खत्री ने

राजकुमार खत्री, कमिश्नर, नगरनिगम

संदीप जीआर, कलेक्टर

उसे निरस्त कर दिया। इससे दोनों अफसरों के बीच रार और बढ़ गई। कलेक्टर संदीप व्यवस्थाओं में सुधारवादी कार्यप्रणाली के पक्षधर हैं, जब से उन्होंने जिले की कमान संभाली तभी से वे व्यवस्थाओं के सुधार में जुट गए। कलेक्टर की सुधारवादी नीति जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के कई अधिकारियों को रास नहीं आई, संभवतः यही वजह रही कि कलेक्टर के प्रति प्रशासनिक व राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं आम हो गईं। पिछले दिनों जब निगम आयुक्त खत्री का तबादला होने की खबर आई तब आतिशबाजी की गई थी इसकी चर्चा भी खूब रही।

लोकायुक्त भोपाल में आधा दर्जन से अधिक शिकायतों की जांच

भरोसेमंद प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार आर्थिक अनियमितताओं के मामलों में नगर निगम कमिश्नर के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक शिकायतें भी की गईं हैं, इन शिकायतों की जांच भोपाल में लोकायुक्त में वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं. इन शिकायतों के पीछे कौन है यह जांच का विषय है. बहरहाल जिले के दो बड़े अफसरों के बीच चल रहे टकराव को लेकर अधिकारी कर्मचारी दबी जुबान में चर्चा कर मजे ले रहे हैं. इस सब के चलते विकास कार्ययों की फाइलों पर गर्द चढ़ने लगी है।

क्या कहते हैं जनप्रतिनिधि

सामंजस्यपूर्ण माहौल हो

अफसरों के बीच चल रहे इस द्वंद पर राजनेताओं का अपना मत है। राजनीति की समझ रखने वाले इन परिस्थितियों को सागर के हित में नहीं मान रह। पूर्व महापौर प्रदीप लारिया ने कहा कि किसी भी शहर या जिले में अफसरों के बीच मतभेद या कार्यप्रणाली को लेकर टकराव उस शहर के विकास कार्यों को प्रभावित कर सकते हैं। जिला व नगरीय प्रशासन को सामंजस्यपूर्ण माहौल बनाना चाहिए। प्रशासन विकास की धुरी है ऐसे में आपसी तालमेल बहुत जरूरी है।

अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी

वर्तमान महापौर संगीता तिवारी का भी कमोवेश यही मानना है। संगीता तिवारी ने कहा कि अधिकारियों की जिम्मेदारी भी बड़ी होती हैं, उन्हें सभी को साथ लेकर विकास का पहिया तेज गति से चलाना बेहद महत्वपूर्ण है।

दिया शोकॉज नोटिस

पिछले हफ्ते आयोजित समय सीमा (टीएल) की बैठक से अन्य विभागों अधिकारियों के साथ नगर निगम कमिश्नर भी अनुपस्थित रहे थे। जिस पर कलेक्टर ने उन्हें भी कारण बताओ नोटिस देकर जवाब तलब किया। इसकी चर्चा प्रशासनिक व नगर निगम के गलियारों में चल रही है।

निरीक्षण के दौरान किया पौधरोपण

तेंदूखेड़ा। जिला प्रभारी डॉ. आशुतोष गोस्वामी और सहायक संचालक, कार्यालय संयुक्त संचालक ने शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शाला की शैक्षणिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया तथा विषयवार शिक्षकों से संवाद कर शैक्षणिक प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर डॉ. गोस्वामी द्वारा समस्त शिक्षकों को निर्देशित किया गया कि विद्यालय का वार्षिक परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विद्यालय प्रांगण में अशोक वृक्ष का पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रघुराज सिंह ठाकुर, परशुराम सिंह लोधी, एस. के. सरैया, राकेश तिवारी, संस्था लिपिक संजय रायकवार भारत यादव, एच एस. ठाकुर, भरत यादव एवं संपूर्ण विद्यालय स्टाफ की उपस्थित रहा।

बिरसा मुंडा जयंती को लेकर की चर्चा

तेंदूखेड़ा। जय आदिवासी युवा शक्ति जयस तेंदूखेड़ा एवं तेजगढ़ की संयुक्त बैठक रेस्ट हाउस में आयोजित की गई जिसमें जयस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर बैठक को सफल बनाएं। जयस की नवीन कार्यकारिणी में स्थान पाने वाले साथियों का स्वागत किया गया।विभिन्न समस्याओं पर बिंदु वार विस्तार से चर्चा की, साथ ही आगामी कार्यक्रम को लेकर रूपरेखा बनाई गई। आगामी कार्यक्रम धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इस अवसर पर गिरधारी परस्ते जिला उपाध्यक्ष,दान सींग अध्यक्ष,राहुल पोर्ते, मर्दन सिंह, मुकेश ऐडारी,डेलन धुर्वे, घनश्याम सिंह, देवेन्द्र कुलस्ते,दौलत,अमर सींग, पंचम, जवाहर, सोनू,कमल, गोलू पोर्ते,लखन धुर्वे, मुन्ना सींग, संदीप सरराम, वसंत सोयाम, ववलू परस्ते ,रामकेश सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी एवं जयस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पितृपक्ष में विधि-विधान से कर रहे तर्पण

तेंदूखेड़ा। हिन्दू पंचांग के अनुसार श्राद्ध पक्ष (पितृपक्ष) का पावन समय इन दिनों पूरे श्रद्धा और विधि-विधान के साथ मनाया जा रहा है। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालु अपने पितरों की स्मृति में तर्पण, पिंडदान, ब्राह्मण भोजन एवं दान-पुण्य जैसे धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। हर वर्ष भाद्रपद पूर्णिमा से प्रारंभ होकर अमावस्या तक चलने वाले इस विशेष पक्ष में लोग अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करते हैं। पुरखों के निमित्त तर्पण करना, गायों को भोजन कराना, ब्राह्मणों को भोजन व वस्त्र दान देना आदि कार्य धर्म परंपरा का हिस्सा हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि पितृपक्ष के दौरान किए गए ये कर्म उनके पूर्वजों को संतुष्ट करते हैं और आशीर्वाद स्वरूप परिवार में सुख, समृद्धि और शांति प्रदान करते हैं। इस मौके पर गंगा, नर्मदा, क्षिप्रा व अन्य पवित्र नदियों के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी जा रही है।

नदी के बहते पानी में से निकलने को मजबूर विद्यार्थी और ग्रामीण

महेश्वर। नगर से 13 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत आशापुर के अंतर्गत आने वाले गांव मनावर के वार्ड 18 वसुनिया मोहल्ले के रहवासी नदी पर पुलिया नहीं होने के चलते परेशान है। प्रतिदिन इस वार्ड के स्कूली छात्र छात्राएं घुटने घुटने नदी के पानी में से जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर है। पहाड़ी नदी होने के चलते अचानक से अगर नदी का जलस्तर बढ़ता है तो बड़ा हादसा हो सकता है जिसमें कई बच्चों की जान जा सकती है। ग्रामीण रहवासी मय्यत, डिलीवरी वाली महिलाओ को भी इसी मार्ग से लेकर जाने को मजबूर हैं। आजादी का अमृत काल चल रहा है लेकिन आज भी देहाती ग्रामीण सुविधाओं के अभाव में परेशान हो रहे हैं मीडिया द्वारा भी समय-समय पर इनकी समस्याओ को उठाया जाता है लेकिन इसका कोई निराकरण नहीं हो रहा है।

सागर संभाग के सभी उप संचालक कृषि को नोटिस देने के निर्देश

अमानक खाद और बीज का कारोबार जोरों पर, विक्रेताओं पर कार्रवाई करें

सागर, दोपहर मेट्रो

संभाग में अमानक खाद, बीज एवं कीटनाशक का कारोबार धड़ल्ले से जारी है, वरना क्या वज़ह है कि संभाग आयुक्त को कृषि संभाग के सभी उप संचालकों को नोटिस जारी करने की नौबत आन पड़ी.कमिश्नर अनिल सुचारी ने संभाग में अमानक स्तर के बीज खाद एवं कीटनाशक बेचने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश संभाग के कृषि विभाग के उपसंचालकों को दिए हैं।

कमिश्नर ने सागर संभाग के कृषि विभाग के सभी उपसंचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अमानक स्तर के खाद बीज और कीटनाशक बेचने वाले फर्मों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सागर संभाग में किसी भी स्थिति में अमानक स्तर का खाद बीज और कीटनाशकों का विक्रय नहीं होना चाहिए। अगर कोई फर्म अमानक स्तर का

खाद बीज और कीटनाशक विक्रय करता हुआ पाया जाता है तो ऐसे फर्मों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। कमिश्नर ने संभाग में खाद, बीजों और कीटनाशकों के गुण नियंत्रण के लिए निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अपेक्षित कार्यवाही नहीं होने के कारण सागर संभाग के सभी कृषि विभाग के उपसंचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश संयुक्त संचालक कृषि को दिए हैं।

कमिश्नर अनिल सुचारी ने उक्त निर्देश आज कृषि विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में कमिश्नर ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सागर संभाग में पराली जलाने से होने वाले हानियों के प्रति किसानों को जागरुक करें तथा पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सतत प्रयास करें। कमिश्नर ने कहा कि सागर संभाग में आधुनिक कृषि यंत्रों हैप्पी सीडर, सुपर सीडर के संबंध में कियानों को जानकारी होना चाहिए।

प्रतिष्ठानों खाद्य सामग्री के लिए सैंपल

सागर. मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देश पर एसडीएम अदिति यादव, तहसीलदार संदीप तिवारी तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रीति राय सहित अन्य अधिकारियों की टीम ने सागर गैरे रेस्टोरेंट पर छापामार कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान में कई अनियमितताएं और गंदगी पाई गई। निरीक्षण कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसडीएम यादव ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश अनुसार मिलावट से मुक्ति अभियान एवं माफिया पर कार्रवाही करने के निर्देश दिए गए है। इसी परिप्रेक्ष्य में खाद्य पदार्थो की दुकानों पर लगातार कार्रवाही की जा रही है। सिविल लाइन क्षेत्र स्थित सागर गैरे रेस्टोरेन्ट पर कार्रवाही की गई। जिसमें रेस्टोरेंट में न तो वैध फूड लाइसेंस मौजूद था, न ही स्वच्छता के मानकों का पालन किया जा रहा था। किचन और परिसर में भारी गंदगी मिलने के साथ-साथ, वहां उपयोग किए जा रहे छह गैस सिलेंडरों के दस्तावेज भी अनुपलब्ध पाए गए।

ड्यूटी न मिलने से एम्बुलेंस चालक ने की आत्मदाह की कोशिश

सागर, दोपहर मेट्रो

जनसुनवाई में एक युवक ने खुद पर डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। युवक अभय राज को 108 एंबुलेंस में पदस्थ होने के बावजूद ड्यूटी नहीं दी जा रही, इसी बात से नाराज उसने यह कदम उठाया। पुलिसकर्मी ने उसे पकड़ लिया। अंदर ले गए। समझाइश देकर उसे शांत किया। पुलिस ने बयान दर्ज किए।

बताया जा रहा है कि अभय राज को ड्यूटी न मिलने के कारण उसका वेतन कम आ रहा। परिवार का खर्च नहीं चल पा रहा। बच्चे की फीस तक नहीं भर पाया। 15 महीने से आवेदन देने व

12 लोगों द्वारा कथन होने के बाद भी निर्णय नहीं हुआ। 108 एंबुलेंस ड्राइवर अभय राज साथी ड्राइवर व उनके परिजन के साथ कलेक्ट्रेट आए थे ताकि कलेक्टर व सीएमएचओ से मिलकर पता कर सकें कि उनके आवेदनों पर अब तक क्या हुआ? अफसर नहीं मिले। निराश होकर आत्मदाह करने डीजल डालकर जनसुनवाई कक्ष की ओर बढ़ रहा था तभी पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि सागर जिला के 108 वाहन के अधिकारी द्वारा कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्हें ड्यूटी नहीं दी जा रही। इस कारण करीब 8 हजार सैलरी बन रही। ड्यूटी दी जाए तो 10 से 11 हजार सैलरी आएगी। परिवार का खर्च नहीं चल रहा। बच्चे की फीस नहीं भर पाया। उन्होंने आरोप लगाया कि 108 एंबुलेंस वाहन के अधिकारी द्वारा रिश्वत नहीं देने पर कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की जाती है इसी बीच 108 एम्बुलेंस का चालक जनसुनवाई में पहुंचा और अपने ऊपर डीज़ल डालकर आग लगाने की कोशिश की. घटना की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर संदीप जी आर के ने अपर कलेक्टर अविनाश रावत को निर्देशित किया है कि तीन दिन के अंदर उच्च स्तर की जांच करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें एवं आवश्यक कार्रवाई करें। अपर कलेक्टर रावत ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर जांच समिति का गठन किया गया है।

मेट्रो एंकर — महिलाओं ने एक लाख की आय पार कर पेश की आत्मनिर्भरता की मिसाल

चिमटीपुर में खिला पर्यटन का फूल, होम स्टे से आई जिंदगी में बहार

छिन्दवाड़ा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग की होम स्टे योजना रंग ला रही है और छिंदवाड़ा के आदिवासी गांव न सिर्फ पर्यटकों से गुलजार हो रहे हैं बल्कि इससे जुड़कर गांव की महिलाओं, युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छिंदवाड़ा के आदिवासी गांव चिमटीपुर में होम स्टे चलाने वाली महिलाओं ने कम समय में आय का नया कीर्तिमान रचा है। यहां पर होम स्टे संचालित करने वाली महिलाएं एक-एक लाख रूपए से अधिक की आय अर्जित कर रही हैं और परिवार को आत्मनिर्भर बनाने में कंधे से कंधा मिलाकर समाज में अपना नया रूतबा बना रही हैं।

छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अग्रिम कुमार के कुशल मार्गदर्शन में पर्यटन गतिविधियों का संचालन हो रहा है। अधिकारीद्वय के नेतृत्व में होम स्टे योजना का सफल क्रियान्वयन होने से पर्यटन ग्रामों में खुशहाली दिख रही है। चिमटीपुर ग्राम में परार्थ समिति के माध्यम से बनाए गए होम

स्टे में पर्यटकों की आवाजाही ने ग्राम की आर्थिक उन्नति के द्वार खोल दिए हैं। होम स्टे के साथ ट्रेकिंग और लोकनृत्य के जरिए आदिवासी परिवार जबरदस्त आय अर्जित कर रहे हैं। चिमटीपुर में दूधी माता होम स्टे की संचालिका सनवती पंद्राम और आवला होम स्टे की संचालिका सिरोज पंद्राम का नाम उन महिलाओं में शुमार हो गया है, जिन्होंने होम स्टे खुलने के बाद एक लाख से कहीं अधिक की आय अर्जित कर ली है।

पर्यटन ग्राम चिमटीपुर में आने वाले पर्यटकों को सुकून और शांति के साथ देसी नृत्य, लोकगीत देखने को मिल रहे हैं। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की पहल पर परार्थ समिति के साथ मिलकर होम स्टे योजना के तहत मिट्टी के घर आकर्षण का केन्द्र बने हैं, इनमें पर्यटकों को स्थानीय एवं परम्परागत व्यंजनों का जायका मिल रहा है। चिमटीपुर में अब तक पांच होम स्टे शुरू हो चुके हैं और चार नए होम स्टे का निर्माण कार्य जारी है, जिन्हें जल्द ही पर्यटकों के लिए खोला जाएगा।

चेक बाउंस के कई मामले दर्ज

भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

औबेदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

भोजपुर विधानसभा क्षेत्र-141 से भाजपा विधायक एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा के भतीजे सुरेंद्र पटवा की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। इंदौर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पटवा पर लंबे समय से चेक बाउंस के कई मामले दर्ज हैं। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सीबीआई और एसीबी को आदेश दिया है कि पटवा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जाए। गौरतलब है कि इससे पहले भी भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुका है। ताज़ा आदेश के बाद एक बार फिर उनकी परेशानी बढ़ गई है।

रोमांच एशिया कप या फिर सस्पेंस तीसरी भिड़ंत का

टीम इंडिया के आगाज में नजरें एकादश पर

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

एशिया कप क्रिकेट 2025 की शुरुआत हो गयी है। एशिया के सबसे बड़े क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज मंगलवार को हुआ। अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच हुए बी ग्रुप के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान ने एकतरफा जीत हासिल की। टी20 फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। श्रीलंका,बांग्लादेश, अफगानिस्तान के साथ हॉगकॉग को जहां एक पूल में रखा गया है जबकि भारत,पाकिस्तान के अलावा यूएई और ओमान दूसरे पूल में हैं। पिछला एशिया कप वनडे फॉर्मेट में खेला गया था, वहीं इस बार यह टूर्नामेंट

टी20 फॉर्मेट में होने की वजह आगामी वर्ल्ड कप का यही फॉर्मेट है। ऐसा एशिया क्रिकेट कॉउंसिल वर्ल्ड कप के मद्देनजर एशियन टीमों की तैयारियों के लिहाज से करती है। 8 टीमों के बीच 3 हफ्ते तक चलने वाले वाले इस टूर्नामेंट में भले ही कई तरह के रोमांच देखने को मिल सकते हैं,लेकिन मेरे नजरिये में सबसे बड़ा सवाल/सस्पेंस यही रहने वाला है कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच कितने रहेंगे।

दरअसल, मौजूदा एशिया कप के कार्यक्रम और टीमों के पूल निर्धारण से एक बात तो साफ नजर आ रही है कि परस्पर प्रतिद्वंद्वी इन दोनों टीमों के बीच 2 भिड़ंत तय है। वहीं अगर इनके बीच तीसरा मुकाबला खेल गया तो फिर वह टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला होगा। खैर यह सब बातें भले ही फिलहाल भविष्य के गर्त में छुपी हुई हैं,लेकिन पूरे टूर्नामेंट में सुर्खियों में यही रहने वाला है। वहीं अगर अब हम बात भारतीय टीम की करें है, इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया एक मजबूत दावेदार के रूप में उतर रही है। वह आज दुबई में यूएई के खिलाफ अपने पहले मैच खेलेगी।उसके बाद 14 सितंबर को पाकिस्तान और 19 को ओमान के खिलाफ उतरेगी। खिताब की प्रबल दावेदार टीम इंडिया के लिए आज यूएई से होने वाला यह मैच पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली महत्वपूर्ण भिड़ंत से पहले अभ्यास मैच की तरह होगा।कमजोर मानी जाने वाली यूएई की टीम के साथ होने वाला यह मैच टीम मैनेजमेंट को इस बात का अंदाजा देगा कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए किस संयोजन के साथ मैदान में उतरना बेहतर होगा। दरअसल भारतीय चयनकर्ताओं ने एशिया कप की टीम इंडिया के मजबूत चयन से टीम मैनेजमेंट की एकादश की माथापच्ची बेहद पेचीदा कर दी है। एक ओर जहां एकादश चयन में संजू सैमसन बनाम जितेश शर्मा की पहेली पूर्व खिलाड़ियों के बयानबाजी से उलझी हुई है वहीं टीम मैनजमेंट के लिए गेंदबाजी यूनिट में तीसरा फिरकी या फिर पेसर का फैसला भी उलझन भरा कहा जा सकता है। वैसे हेड कोच गौतम गंभीर का भरोसा विशेषज्ञ गेंदबाजों से कहीं अधिक आलराउंडर पर रहता है ऐसे में टीम इंडिया 4 मुख्य गेंदबाजों पर भी दांव खेल सकता है।मतलब साफ है कि टीम इंडिया का एशिया कप का आज होने वाला आगाज भले ही चुनौती पूर्ण न हो, लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि एकादश का चयन फिर भी दिलचस्प रहने वाला है।

एशिया कप 2025 : यूएई की टीम से भिड़ेगी सूर्या ब्रिगेड, टीम चयन चुनौती

दुबई की ग्रासी पिच पर टीम इंडिया के शेरों का आज पहला इम्तिहान

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय टीम आज बुधवार से एशिया कप 2025 का आगाज करने जा रही है। पहला मैच यूएई के खिलाफ भले ही आसान माना जा रहा हो, लेकिन असली चुनौती दुबई की पिच है। इंटरनेशनल स्टेडियम की सतह पर घास की मोटी परत दिखने के बाद टीम मैनेजमेंट असमंजस में है कि शुरुआती मैच में स्पिनरों को उतारा जाए या तेज गेंदबाजों पर दांव लगाया जाए। ऐसे में प्लेइंग इलेवन का कॉम्बिनेशन तय करना कप्तान और कोच के लिए बड़ी माथापच्ची बन गया है।

सवाल 1: पिच की अनिश्चितता ने बढ़ाई मुश्किल

दुबई का यह मैदान हमेशा से रहस्यमय माना जाता है। यहां की पिचें कभी स्पिनरों को मदद देती हैं, तो कभी तेज गेंदबाजों को। इस बार हालात और भी पेचीदा हैं क्योंकि टीम को स्टेडियम पर अभ्यास की इजाजत नहीं मिली। भारतीय खिलाड़ी सिर्फ आईसीसी अकादमी में नेट्स कर पाए और मैच से एक दिन पहले ही असली पिच देखने पहुंचे। गेंदबाजी कोच मॉर्ने मोर्कल ने माना कि विकेट पर घास की परत है और चयन की चुनौती बढ़ गई है।

सवाल 2: विकेटकीपर की रेस में आगे कौन?

टीम इंडिया में लंबे समय से यह सवाल था कि विकेटकीपर की पहली पसंद कौन होगा। अब तस्वीर साफ होती दिख रही है। जितेश शर्मा को लगातार मौके मिले हैं और वह पहले पसंद विकेटकीपर के तौर पर लगभग तय हैं। शुभमन गिल वापसी कर रहे हैं और अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग करने उतरेंगे। दूसरी ओर, संजू सैमसन को अभ्यास में बहुत कम मौके मिले। उन्होंने नेट्स में मुश्किल से कुछ मिनट ही विकेटकीपिंग की और ज्यादातर समय बल्लेबाज़ी का इंतजार करते रहे। यह संकेत है कि फिलहाल उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में नहीं बन पा रही।

सवाल 3: नंबर-8 स्लॉट पर माथापच्ची

टीम इंडिया की सबसे बड़ी दुविधा नंबर-8 पोजीशन को लेकर है। विकल्प यह है कि बल्लेबाजी मजबूत करने के लिए शिवम दुबे जैसे ऑलराउंडर को उतारा जाए, जिन्होंने नेट्स में गेंदबाजी भी की है।।। या फिर जसप्रीत बुमराह के साथ नए गेंद से अर्शदीप सिंह या हर्षित राणा को खिलाया जाए और हार्दिक पंड्या तीसरे तेज गेंदबाज बनें। पिछले कुछ दिनों से टीम मैनेजमेंट छठे गेंदबाज के विकल्प पर भी काम कर रहा है, जिसमें अभिषेक शर्मा को आजमाया गया है। मोर्कल का कहना है कि ऑलराउंडर्स की मौजूदगी कप्तान को कई विकल्प देती है और यही वजह है कि टीम अभी सभी कॉम्बिनेशन ट्राई कर रही है।

सिर्फ दो देश, जिनके खिलाफ टी20 फॉर्मेट में भारत को मिली हार

नई दिल्ली । भारतीय टीम एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार से करेगी। टीम इंडिया का पहला मैच यूएई से होगा। भारत ने अब तक टी20 फॉर्मेट के एशिया कप में 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें सिर्फ दो ही देशों के हाथों उसे शिकस्त मिली। एशिया कप 2016 में भारत एक भी मुकाबला नहीं हारा। उसने बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई को शिकस्त दी थी। फाइनल मुकाबले में बांग्लादेश को 8 विकेट से रौंदते हुए खिताब जीता। एशिया कप 2022 में टीम इंडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना ग्रुप मुकाबला पांच विकेट से जीता, जिसके बाद हांगकांग के खिलाफ 40 रन से जीत दर्ज की। इसके बाद टीम इंडिया को पाकिस्तान के हाथों पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा गया। 4 सितंबर 2022 को पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 181 रन बनाए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 19.5 ओवरों में पांच विकेट शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। 6 सितंबर 2022 को टीम इंडिया ने लगातार दूसरा मैच गंवा दिया। इस बार दुबई के मैदान पर भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट खोकर 173 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंका ने एक गेंद शेष रहते मैच 6 विकेट से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद टीम इंडिया ने 8 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ 101 रन से बड़ी जीत दर्ज की, लेकिन फाइनल में उसे जगह नहीं मिल सकी।

एल्बी मॉर्कल को बनाया गया गेंदबाजी सलाहकार

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए चोटिल डेविड मिलर

कार्डिफ, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन टी20 मैचों की सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने पुष्टि की कि 36 वर्षीय मिलर को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स के लिए द हंड्रेड में खेलते समय हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी। सीएसए ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा, ÷डेविड मिलर दाहिने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। मिलर को नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स का प्रतिनिधित्व करते हुए द हंड्रेड के अंतिम सप्ताह में चोट लगी थी। वह बुधवार से कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए फिट नहीं हो पाए हैं। एडेन मार्करम की अगुवाई वाली टीम में किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया है। मिलर इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का भी हिस्सा नहीं थे।

मोर्कल गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने पूर्व ऑलराउंडर एल्बी मोर्कल को इस सीरीज के लिए गेंदबाजी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। मोर्कल ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 100 से ज्यादा सीमित ओवरों के मैच खेले हैं, साथ ही दुनिया की बड़ी लीगों का भी हिस्सा रहे हैं। 3 वनडे मैचों की सीरीज दक्षिण अफ्रीका ने 1-2 से जीती थी, लेकिन साउथेम्प्टन में खेले गए सीरीज के आखिरी मैच में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को रिकॉर्ड 342 रन से हराया था। रनों के लिहाज से वनडे क्रिकेट की यह सबसे बड़ी जीत थी। इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज बुधवार से शुरू हो रही है।

पाकिस्तानी गेंदबाज उस्मान शिनवारी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली पाकिस्तान के 31 वर्षीय तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस क्रिकेटर ने दिसंबर 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान की ओर से खेला था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने साल 2013 में पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया। टी20 फॉर्मेट के डेब्यू के बाद उन्हें वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका भी मिला। शिनवारी ने पाकिस्तान की ओर से 17 वनडे मैच खेले, जिसमें 18.61 की औसत के साथ 34 शिकार किए। वहीं, 16 टी20 मुकाबलों में इस गेंदबाज ने 13 विकेट निकाले। इस तेज गेंदबाज ने दिसंबर 2019 में इकलौता टेस्ट मैच खेला। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी में आयोजित इस मुकाबले में शिनवारी ने 54 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम किया था। इसके तुरंत बाद वह टीम से बाहर हो गए और अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खो दिया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

टीवी से लेकर वेब सीरीज तक, जिया शंकर उन चेहरों में से एक हैं जिन्होंने कम वक्त में अपनी खास पहचान बनाई है। उनकी मासूम मुस्कान और दमदार अभिनय ने दर्शकों के दिलों में एक अलग ही जगह बनाई है। वह अपने स्टाइल और लुक्स को लेकर भी हमेशा चर्चा में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी हर तस्वीर को लाखों लोग पसंद करते हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर नया फोटोशूट पोस्ट किया, जिसने फैंस को फिर एक बार उनका दीवाना बना दिया।

जिया शंकर ने लाल साड़ी में बिखेरा जादू,

बस उसी की बनकर वाले कैप्शन ने खींचा लोगों का ध्यान

इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई फोटोशूट में जिया शंकर ने रेड कलर की पारंपरिक साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। साड़ी में हल्की चमक है। इस चमक से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह रेशमी या साटन कपड़े की साड़ी हो सकती है। साड़ी के बॉर्डर पर बारीक कढ़ाई की गई है जो पूरे लुक को शाही बना रही है।

साड़ी से ज्यादा ध्यान उनके ब्लाउज ने खींचा है। ब्लाउज पर सुंदर सी कढ़ाई हुई है और बाजुओं पर सफेद हंस का डिजाइन बना हुआ है। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा है और सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किए हुए हैं, जो उनके चेहरे को और भी निखार रहे हैं। इस लुक पर उन्होंने मेकअप भी बहुत हल्का और सॉफ्ट रखा है। गुलाबी लिपस्टिक, हल्का आईशैडो और काजल के साथ उनकी मुस्कान दिल को छू रही है। जूलरी की बात करें तो जिया ने पर्ल वाला चोकर नेकलेस, छोटे झुमके, और गोल्डन कड़े पहने हुए हैं, जो लुक में शालीनता के साथ एक रॉयल टच जोड़ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में जिया ने लिखा, ÷बस उसी की बनकर÷ उनके कैप्शन ने फैंस को सोचने पर मजबूर कर दिया। इस तस्वीर को देखने के बाद उनके चाहने वालों ने कमेंट्स में सवालों की झड़ी लगा दी है। कोई उनसे पूछ रहा है कि क्या आप किसी खास मौके के लिए तैयार हुई हैं? तो कोई सवाल कर रहा है कि किस खास इंसान के लिए इतना सज-संवर रही हो? अन्य फैंस उनके कमेंट्स सेक्शन में इमोजी भी भेज रहे हैं।

राशि खन्ना ने तलाखों में एक के सेट से विक्रांत मैसी के साथ पर्दे के पीछे की शेयर कीं झलकिया

पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना ने दर्शकों को अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतज़ार करने की एक नई वजह दी है। अभिनेत्री ने हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अपकमिंग फिल्म 'तलाखों में एक' के सेट से बीटीएस तस्वीरें साझा कीं, जिसमें वह अभिनेता विक्रांत मैसी के साथ नजर आ रही हैं। इन स्वाभाविक और अनदेखी तस्वीरों ने फैंस का ध्यान तुरंत खींचा – और लोग प्यार और जिज्ञासा से भरकर यह जानने को उत्सुक हो गए कि इस फिल्म में आखिर क्या है। उनके पोस्ट को और भी खास बनाने वाली बात थी उनकी टाइमिंग। अपने बीटीएस लुक को पेश करने के साथ-साथ, राशि ने फिल्म के निर्देशक बोधायन रॉयचौधरी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं। उनका यह व्यक्तिगत संदेश सिर्फ फिल्म की झलक नहीं था, बल्कि उस रचनात्मक यात्रा का भी उत्सव था जो वो मिलकर तय कर रहे हैं। यह भाव दिखाता है कि इस फिल्म की टीम के बीच गहरा आपसी जुड़ाव और सौहार्द्र है।

मेट्रो बाजार

पीली धातु रिकॉर्ड ऊंचाई पर, चांदी भी 14 वर्ष के पीक पर

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच कीमती धातुओं में ग्लोबल रैली के चलते मंगलवार को घरेलू स्तर पर सोने और चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं क्योंकि यूएस लेबल मार्केट के निराशाजनक आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में एग्रेसिव कटौती की उम्मीदों को बल दिया।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतें ऑल टाइम हाई पर पहुंच गईं, जबकि चांदी 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एमसीएक्स पर, दिसंबर डिलीवरी के लिए सोने का वायदा भाव 458 रुपए या 0.41 प्रतिशत बढ़कर 1,10,047 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, भारत में 24 कैरेट सोने की कीमत मंगलवार को 10,804 रुपए प्रति ग्राम दर्ज की गई।

अगस्त में यूएस नॉन-फार्म पेरोल्स में कर्मचारियों की संख्या में केवल 22,000 की वृद्धि हुई, जो 75,000 के अनुमान से काफी कम है और इस महीने बेरोजगारी दर बढ़कर 4.3 प्रतिशत हो गई। रोजगार के कमजोर आंकड़ों ने इस वर्ष फेड द्वारा ब्याज दरों में 75 आधार अंकों की कटौती की संभावना को मजबूत किया है। डॉलर सूचकांक के छह हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंचने और अमेरिका के 10-ईयर ट्रेजरी यील्ड में गिरावट ने इस तेजी को बढ़ाया। अमेरिका में निवेशक अब दो प्रमुख मुद्रास्फीति रिपोर्टों के इंतजार में हैं, जो यह तय कर सकती हैं कि फेडरल रिजर्व के नीति निर्माता अगले हफ्ते अपनी बैठक क्या फैसले ले सकते हैं।

अगस्त में यूपीआई लेनदेन 20 अरब के पार, फोनपे और गूगल पे शीर्ष स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली । यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) नेटवर्क ने अगस्त 2025 में 20 अरब से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस किए है, यह पहला मौका जब यूपीआई लेनदेन ने इस आंकड़े को छुआ है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इन लेनदेन का कुल मूल्य 24.85 लाख करोड़ रुपए था।

यूपीआई लेनदेन के बाजार वितरण में कुछ प्रमुख ऐप्स का दबदबा बना हुआ है। लेनदेन की मात्रा के मामले में, फोनपे अनुमानित 9.6 अरब लेनदेन के साथ बाजार में अग्रणी रहा, उसके बाद 7.4 अरब लेनदेन के साथ गूगल पे और 1.6 अरब लेनदेन के साथ पेटीएम तीसरे स्थान पर रहा।

कुल लेनदेन मूल्य में उनकी हिस्सेदारी भी इसी तरह की रही, जिसमें फोनपे की हिस्सेदारी 48.64 प्रतिशत, गूगल पे की हिस्सेदारी 35.53 प्रतिशत और पेटीएम की हिस्सेदारी लगभग 8.5 प्रतिशत रही। इस इकोसिस्टम के अन्य प्लेटफॉर्म में नवी और क्रेड शामिल हैं, जो लेनदेन की मात्रा के हिसाब से शीर्ष पांच ऐप्स में शामिल हैं। नवी ने लगभग 40.6 करोड़ लेनदेन और क्रेड ने लगभग 21.9 करोड़ लेनदेन प्रोसेस किए। औसतन, यूपीआई नेटवर्क ने पूरे अगस्त में प्रतिदिन 64.5 करोड़ से ज्यादा लेनदेन प्रोसेस किए। अगस्त के यूपीआई लेनदेन के आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि खर्च का दायरा वित्तीय भुगतानों और आवश्यक वस्तुओं की ओर ज्यादा है। सबसे ज्यादा लेन-देन ऋण और प्रतिभूतियों के भुगतान में दर्ज किए गए, जिसमें ऋण वसूली एजेंसियों का लेन-देन मूल्य 77,007 करोड़ रुपए रहा। प्रमुख क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च मजबूत रहा, जिसमें किराना और सुपरमार्केट का योगदान 68,116 करोड़ रुपए रहा।

बिहार के सीमावर्ती जिलों में बढ़ाई सुरक्षा

भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा बल और पुलिस चौकियां अलर्ट

पटना/लखनऊ, एजेंसी

पड़ोसी देश नेपाल में सरकार के खिलाफ चल रहे उग्र प्रदर्शन के मद्देनजर बिहार और उप्र की सरकार नेपाल की हर पोस्ट पर निगरानी रख रही है। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने सुरक्षा बलों और थानेदारों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। नेपाल में संघर्ष के बीच बिहार के सीमावर्ती जिले पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, अररिया, सुपौल, पूर्वी चंपारण, किशनगंज की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गयी है।

नेपाल में जारी आंदोलन को लेकर अररिया के पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार ने सीमा क्षेत्र के सभी थाना और आउट पोस्ट को हाई अलर्ट किया है। वहीं एसएसबी को भी अलर्ट मोड में रहते हुए नेपाल की स्थिति पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। सीमा से लगने वाले सभी थानों के थानाध्यक्षों को हाई अलर्ट पर रहने की हिदायत के साथ सीमा क्षेत्र में गश्ती लगातार जारी रखने को कहा गया है। एसएसबी 52वीं बटालियन के कमांडेंट महेन्द्र प्रताप ने नेपाल में जारी हिंसक आंदोलन को लेकर सीमा की सभी बाह्य चौकी को अलर्ट रहने को निर्देशित करने की बात कही गई है। नेपाल से हरेक आने जाने वालों पर कड़ी निगरानी के साथ उनके सामानों की सघन जांच की जा रही है। साथ ही खुली सीमा क्षेत्र में गश्ती को तेज किया गया है। बिहार सीमा से सटे लोगों के परिजन नेपाल में रह रहे हैं और उनसे संपर्क नहीं होने वे परेशान हैं। क्योंकि भारत से नेपाल फोन करने पर एक मिनट पर 12 रुपए खर्च आता है।

नेपाल से जुड़ी हर पोस्ट पर निगरानी

नेपाल में चल रहे आंतरिक विद्रोह और बगावत पर यूपी सरकार प्रदेश की सीमाओं को सील करने के साथ-साथ सोशल मीडिया पोस्ट पर निगरानी कर रही है। सीमावर्ती इलाकों में तनाव के हालात पर नजर रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए है। यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने नेपाल सीमा से सटे सभी जिलों में पुलिस को 24 घंटे अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। इलाकों में अतरिक्त पुलिस फोर्स की भी तैनाती कर दी गई है। पुलिसकर्मी लगातार पेट्रोलिंग और निगहबानी कर रहे हैं।

बिहार चुनाव: पार्टी की बिहार इकाई के प्रमुख नेता रहे मौजूद

राहुल-खरगे ने दिल्ली में बनाई रणनीति सीट बंटवारे और रणनीति पर चर्चा

पटना, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को पार्टी की बिहार इकाई के प्रमुख नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन में सीट बंटवारे और चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार, प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, सांसद तारिक अनवर, राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

सीट बंटवारे और चुनावी रणनीति को लेकर चर्चा

सूत्रों ने बताया कि इस बैठक में सीट बंटवारे और चुनावी रणनीति को लेकर चर्चा की गई। बिहार में नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित है। इससे पहले, बीते छह सितंबर को पटना में महागठबंधन के नेताओं की एक अनौपचारिक बैठक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के सरकारी आवास पर हुई थी।

रालोजपा और झामुमो पर सहमति

इसमें सीट बंटवारे समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी और नए

सहयोगियों को गठबंधन में शामिल करने पर भी विचार किया गया था। सूत्रों के अनुसार, करीब दो घंटे चली उस बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) को महागठबंधन का घटक बनाने पर सहमति बनी थी। कांग्रेस की इस बैठक को गठबंधन में अपनी स्थिति मजबूत करने और चुनाव के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस, आरजेडी, वीआईपी, वाम दल, रालोजपा और झामुमो के बीच जल्द ही औपचारिक बैठक के बाद सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया जाएगा।

ओवैसी से कोई लेना-देना नहीं: अलावरू

बैठक के बाद बिहार प्रभारी कृष्णा अलावरू ने मीडिया से बातचीत में कई अहम बातें कही। उन्होंने साफ किया कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने की चर्चाओं से कांग्रेस का कोई लेना-देना नहीं है। अलावरू ने बताया कि ओवैसी ने महागठबंधन में शामिल होने को लेकर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा है। इस पर उन्होंने कहा, यह पत्र लालू जी को लिखा गया है, इसलिए इस पर वही स्पष्टीकरण देंगे। कांग्रेस का इससे कोई संबंध नहीं है। कांग्रेस नेता ने पशुपति कुमार पारस की पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को महागठबंधन में शामिल किए जाने पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में बातचीत सकारात्मक है और बहुत जल्द इस पर औपचारिक घोषणा हो सकती है। सीट शेयरिंग पर अलावरू ने कहा कि कांग्रेस ने अपनी सूची राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को सौंप दी है। इस मुद्दे पर समन्वय समिति में चर्चा जारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि 15 सितंबर तक सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला हो जाएगा। अलावरू ने यह भी जोड़ा कि कांग्रेस को जितनी भी सीटें मिलेंगी, वह उसमें कोई आपत्ति नहीं करेगी। अभी तक की बातचीत सकारात्मक रही है। महागठबंधन पूरी मजबूती से चुनावी मैदान में उतरेगा और कोई विवाद नहीं होगा।

श्रीनगर में फरार आतंकी अमीन की तलाशी में छापेमारी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी ने एक आतंकवादी के फरार होने के मामले में बुधवार को अनंतनाग और पुलवामा जिलों में कई जगहों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी अमीन बाबा के भागने के मामले से जुड़ी एसआईए की जांच का हिस्सा है। बाबा 20 साल पहले 2005 में वाघा-अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान भाग गया था।

भारत-ईयू ट्रेड डील निर्णायक मोड़ पर पांच दिन भारत में रहेंगे 27 राजदूत

नई दिल्ली, एजेंसी

यूरोपीय संघ (ईयू) की राजनीतिक एवं सुरक्षा समिति का 27 राजदूतों का दल बुधवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर रहेगा। यह दल दोनों पक्षों के बीच संबंधों को नई गति देने और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के तरीकों पर चर्चा करेगा। राजदूत डेल्फिन प्रोंक के नेतृत्व में यह दल भारत सरकार के उच्च स्तरीय अधिकारियों और रक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मिलेगा। यह यात्रा प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते के लिए भारत और ईयू के बीच 13वें दौर की बातचीत हो रही है, जिसे दोनों पक्ष दिसंबर तक अंतिम रूप देना चाहते हैं। इस दल की यात्रा का उद्देश्य आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना है।

दोनों पक्षों के बीच अब तक 23 में से 11 अध्याय पूरे हो चुके हैं, जिनमें सीमा शुल्क, डिजिटल व्यापार और बौद्धिक संपदा जैसे विषय शामिल हैं। हालांकि, कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर मतभेद बने हुए हैं। भारत सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसानों की आजीविका की सुरक्षा के लिए इन क्षेत्रों में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, यूरोपीय संघ की ओर से रूसी तेल खरीद और प्रस्तावित कार्बन टैक्स पर भी दबाव डाला जा रहा है, जिसे भारत ने एक छिपी हुई व्यापार बाधा बताया है। सरकार का मानना है कि यूरोपीय संघ के साथ यह समझौता न सिर्फ आर्थिक संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि भू-राजनीतिक मोर्चे पर भी भारत को पश्चिमी देशों के करीब लाएगा। इस सप्ताह यूरोपीय संघ के व्यापार और कृषि आयुक्तों का भारत दौरा, समझौते को अंतिम रूप देने की दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सरकार का रुख स्पष्ट है कि कोई भी समझौता परस्पर लाभप्रद और न्यायसंगत होना चाहिए, जिसमें भारत के रणनीतिक और आर्थिक हितों की पूरी तरह रक्षा हो।

14 को करेंगे पुस्तक 'परिक्रमा' का विमोचन

सरसंघचालक डॉ. भागवत 13 सितंबर से इंदौर प्रवास पर

भोपाल/इंदौर, दोहपर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का इंदौर प्रवास 13 सितंबर की शाम से आरंभ होगा। वे दो दिन तक शहर में रहेंगे। इस दौरान वे संघ के आंतरिक कार्यक्रमों के साथ ही एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक आयोजन में भाग लेंगे। रविवार दोपहर 3ः15 बजे ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल की पुस्तक 'परिक्रमा' का विमोचन करेंगे। इस पुस्तक का लेखन पटेल ने नर्मदा परिक्रमा के अपने अनुभवों पर आधारित किया है, जिसे उन्होंने 1994 और 2007 में दो अलग-अलग यात्राओं में संजोया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवा प्रांत के प्रांत प्रचार प्रमुख जयशंकर शर्मा ने बुधवार को बताया कि सरसंघचालक का यह इंदौर में वर्ष 2025 का चौथा दौरा है। इससे पूर्व वे 3 जनवरी, 13 जनवरी और 10 अगस्त को इंदौर आए थे। शर्मा के अनुसार इस बार का मुख्य कार्यक्रम पुस्तक विमोचन है।

उल्लेखनीय है कि इस समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, राज्य मंत्रिमंडल के कई सदस्य और प्रदेश के गणमान्यजन मौजूद रहेंगे। डॉ. भागवत के इंदौर से गहरे संबंध और उनकी सक्रिय मौजूदगी इस वर्ष विशेष चर्चा का विषय रही है। जनवरी माह मे पहले दौरे में उन्होंने संघ के शताब्दी कार्यक्रम 'स्वर शतक' में भाग लिया था। उस समय उन्होंने स्पष्ट कहा था कि भारत को अग्रपंक्ति में लाना ही संघ का ध्येय है और इसके लिए आवश्यक हर कार्य वे करने को तत्पर हैं। यही नहीं, 13 जनवरी को अपने दूसरे दौरे में उन्होंने रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय को देवी अहिल्या राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। उस अवसर पर उन्होंने जोर देकर कहा था कि खुशहाली और विकास का मार्ग भी राम मंदिर जैसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रतीकों से होकर जाता है।

तीसरी बार संघ प्रमुख 10 अगस्त को इंदौर आए थे। तब उन्होंने 96 करोड़ की लागत से तैयार कैंसर केयर हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने समाज के सभी वर्गों के नेताओं से आग्रह किया कि वे कमजोर तबकों को ऊपर उठाने के लिए सामूहिक प्रयास करें। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सेवाओं के लगातार महंगे होते जाने पर चिंता भी जताई थी और कहा था कि इन क्षेत्रों को व्यावसायिक दृष्टिकोण से मुक्त करने की जरूरत है, ताकि सामान्य नागरिक भी लाभान्वित हो सकें। नर्मदा परिक्रमा पर आधारित पुस्तक का विमोचन केवल साहित्यिक या सांस्कृतिक आयोजन भर नहीं है, बल्कि इसे समाज और अध्यात्म से जुड़े व्यापक विमर्श से जोड़ा जा रहा है।

पुस्तक 365 का विमोचन

हर व्यक्ति अपने विचारों का आदान-प्रदान करे: अग्रवाल

भोपाल/इंदौर, दोहपर मेट्रो

संजय अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तक 365 का विमोचन दुष्यंत कुमार संग्राहलय में किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र सिरोठिया समेत अन्य प्रबुद्धजन मौजूद थे। इस अवसर पर कहा गया कि समाजहित में अग्रणी रहने वाले संजय अग्रवाल लगातार सक्रिय रहते हैं। यही वजह है कि वे कुछ न कुछ समाज को अर्पित करते हैं। अग्रवाल ने बताया कि हर एक व्यक्ति को आपस में मिलना-जुलना, बातचीत करना चाहिए। इससे न केवल विचारों का आदान-प्रदान होता है, बल्कि एक-दूसरे के अनुभवों को जानने, जुड़ने और जोड़ने का अवसर मिलता है। इसी भावना से प्रेरित होकर संपर्क और संवाद करने की एक पहल की है। उन्होंने बताया कि अपने सभी परिचितों को एक निश्चित स्थान पर बुलाता हूं, ताकि एक-दूसरे से मिलते और सभी अपने अनुभव साझा करते हैं।

अग्रवाल के अनुसार, इस मेल-मुलाकात के दौरान यहां पर कोई व्यावसायिक एजेंडा नहीं होता है। इसका एकमात्र उद्देश्य सिर्फ एक-दूसरे से सहज रूप से मिलें, उनकी आपस में जान-पहचान बढ़े और सामाजिक ताना-बाना मजबूत हो। संपर्क और संवाद की इस मीटिंग में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, कार्यकर्ता और स्वयंसेवक उपस्थित होकर अपने सामाजिक सरोकारों के बारे की जानकारी भी देते हैं। उनका कहना है कि प्रयास यही रहता है कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर इस प्रकार की मीटिंग आयोजित करें और सामाजिक संबंधों को बढ़ाने तथा उन्हें मजबूत करने का कार्य करें।

मेट्रो एंकर

रैंकिंग में 24 पायदान की गिरावट, शिकागो यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में खुलासा

वायु सर्वेक्षण में दिल्ली की फूली सांस, 48 शहरों में 32वें स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार खराब होता जा रहा है। हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक और हेवी मेटल सांस के साथ फेफड़ों की क्षमता को प्रभावित कर मूक कातिल बनकर लोगों की सांस उखाड़ रहा है। आलम यह है कि पिछले साल सातवें पायदान पर रही दिल्ली केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की हालिया रिपोर्ट स्वच्छ हवा सर्वेक्षण 2025 में 32वें स्थान पर पहुंच गई है। सर्वेक्षण के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 10 लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों की इस रैंकिंग में दिल्ली की रैंकिंग में 24 पायदान की गिरावट आई है। पिछले साल 2024 में यह सातवें पायदान पर थी। इसने विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों से कहीं अधिक है। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) का स्तर खतरनाक स्तर पर बना हुआ है, जो सांस संबंधी बीमारियों और जीवन प्रत्याशा पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके अलावा, राजधानी की बयार को राज्य स्तर पर 172.3 और अंतिम स्कोर 157.3 मिला है।

आलम यह है शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण औसतन जीवन प्रत्याशा में 8 साल की कमी आ रही है। सर्वेक्षण में एनसीएपी के तहत किए गए प्रयासों को भी रेखांकित किया गया है, जिसका उद्देश्य 2019 से चिन्हित शहरों में वायु प्रदूषण को कम करना है। इस कार्यक्रम के तहत वायु गुणवत्ता निगरानी, उत्सर्जन मानकों को लागू करना और जन जागरूकता बढ़ाना शामिल है। गाजियाबाद ने एनसीआर में बेहतर प्रदर्शन दिखाया और 12वां स्थान हासिल किया। गाजियाबाद नगर निगम ने स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं।

वाहनों से राजधानी में प्रदूषण सबसे अधिक

सेटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के अनुसार, वाहनों की वजह से दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण होता है। ये आकलन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, ऊर्जा अनुसंधान संस्थान और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान यानी सफर सहित कई एजेंसियों पर आधारित हैं। आईआईटी-कानपुर ने 2015, टेरी-एआरएआई ने 2018 और एसएएफएआर ने 2018 में किए गए अध्ययन में पाया कि पीएम 2.5 में परिवहन क्षेत्र का योगदान क्रमशः 20 फीसदी, 39 फीसदी और 41 फीसदी है। आईआईटी कानपुर के अध्ययन से पता चलता है कि सर्दियों के दौरान धूल की हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो जाती है। वाहनों से होने वाला प्रदूषण ज्यादा बढ़ जाता है। बाहरी स्रोतों के योगदान को छोड़ दिया जाए, तो पीएम 2.5 में औसत परिवहन क्षेत्र का योगदान केवल स्थानीय स्रोतों से होने वाले प्रदूषण (51.5 फीसदी) के आधे से अधिक है। इसके बाद आवासीय (13.2 फीसदी), दिल्ली व आसपास के उद्योगों से 11 फीसदी, निर्माण से 6.9 फीसदी, ऊर्जा से 5.4 फीसदी, अपशिष्ट जलाने से 4.7 फीसदी, सड़क की धूल से 3.7 फीसदी और दिल्ली के अन्य स्रोतों से 3.5 फीसदी है।

प्रदूषण के कारणों का पता लगाएगी डीपीसीसी

राजधानी के प्रदूषण में वास्तविक कारकों की सही तस्वीर सामने लाने को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) फिर से सोर्स अपार्शन्मेंट स्टडी शुरू कराएगी। यह स्टडी बताएगी कि दिल्ली में प्रदूषण के मुख्य कारक कौन-कौन से हैं। साथ ही, यह भी साझा करेगी कि किस कारक की कितनी हिस्सेदारी है। यही रिपोर्ट प्रदूषण से जंग में मददगार बनेगी। डीपीसीसी ने बीते दिनों अपनी बोर्ड बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को स्वीकृति भी दे दी है। दिल्ली में प्रदूषण की सही प्रामाणिक स्थिति आज भी उपलब्ध नहीं है।

विंटर एक्शन प्लान की तैयारी तेज

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक विंटर एक्शन प्लान की तैयारियों को तेज कर दिया है। दिल्ली सरकार में पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने 30 हितधारक एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक की। उसमें डीडीए, डीपीसीसी, दिल्ली पुलिस, एनएचएआई, डीएमआरसी सहित अन्य विभाग शामिल थे। बैठक में शीतकाल 2025 के लिए 17 प्रमुख कार्रवाई बिंदुओं पर चर्चा हुई, जिनमें धूल नियंत्रण, पराली जलाने पर रोक, औद्योगिक उत्सर्जन में कमी और क्लाउड सीडिंग जैसे नवोन्मेषी उपाय शामिल हैं। मंत्री ने ग्रीन वॉर रूम को मजबूत करने, शिकायत निवारण तंत्र को तेज करने और जन जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022